दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

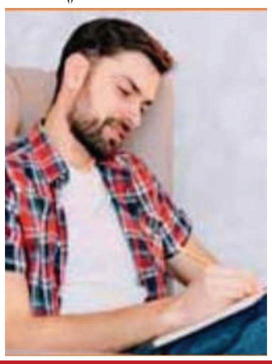

जीवन की दिशा बदल देगा जापानी मेनीफेस्टेशन

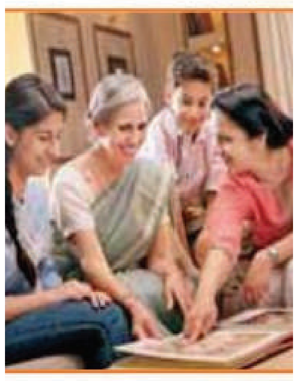

स्मृतियां ही संजोती हैं यादें- रिश्ते- विरासत

वर्ष : 12 | अंक : 152 | लखनऊ, 25 मई, सोमवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

ब्राह्मणों को बसपा ने दिया सर्वाधिक सम्मान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मॉल एवेन्यू स्थित आवास पर रविवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने राज्य स्तरीय बैठक की। इसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर बड़ा संदेश दिया। बैठक में आकाश आनंद और आनंद कुमार मौजूद रहे। साथ ही यूपी के सभी जिलाध्यक्ष और वरिष्ठ पदाधिकारी बुलाए गए थे।

देवघर में युवती की रेत में दबी मिली लाश, हत्या

देवघर। जिले में 6 दिन से लापता एक 21 साल की महिला की लाश नदी के पास रेत में दबी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। हत्या इसलिए, क्योंकि वह मुख्य आरोपी व उसकी प्रेमिका के संबंधों के बारे में जानती थी। इस मामले में पुलिस ने फॉरेंसिक और खुफिया जानकारी से एक महिला समेत तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बेतिया में तेंदुए का आतंक 2 बकरियां बनी निवाला

बेतिया । बिहार के बेतिया के रामनगर में तेंदुए के आतंक से लोग रात भर नहीं सोते हैं। यहां गुदगुदी पंचायत के सेवरही बरवा गांव में तेंदुए के हमले से दहशत फैल गई। तेंदुए ने गांव में घुसकर दरवाजे पर बंधी दो बकरियों को अपना शिकार बना लिया। घटना के बाद पूरे गांव में भय का माहौल व्याप्त है। वन विभाग ने एडवाइजरी जारी करके लोगों को सावधान किया है।

कांग्रेस आतंकियों को बिरयानी खिलाती थी, मोदी सरकार घर में घुसकर मारती है

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मुरादाबाद में कहा कि मोदी सरकार आतंकवादियों को घर में घुसकर मारती है, जबकि कांग्रेस उन्हें बिरयानी खिलाती थी।

अमन लेखनी समाचार/मुरादाबाद,

कांग्रेस की सरकार आतंकवादियों को बिरयानी खिलाने का काम करती थी। मोदी सरकार आतंकवादियों को घर में घुसकर मारने का काम करती है। भारत ने 2019 के पुलवामा हमले का करारा जवाब बालाकोट एयरस्ट्राइक के रूप में दिया था।

पहलगाम में नागरिकों व पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण हमले के जवाब में, भारत ने "ऑपरेशन सिंदूर" चलाया, जिसके तहत सीमा पार स्थित आतंकवादियों के कई ठिकानों को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर दिया गया।

मुरादाबाद में बोले ब्रजेश पाठक

मेक इन इंडिया से भारत बना मजबूत

मोदी सरकार ने रक्षा क्षेत्र में "आत्मनिर्भर भरत" के तहत स्वदेशीकरण को बढ़ावा दिया है। विदेशी हथियारों पर निर्भरता कम करने के लिए "मेक इन इंडिया" के तहत तेजस लड़ाकू विमान, ब्रह्मोस मिसाइलें, और अग्नि-5 जैसे स्वदेशी हथियार सेना में शामिल किए गए हैं। बुद्धि विहार स्थित व्हाइट हाउस में आयोजित भाजपा के दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के समापन सत्र में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने यह बातें कहीं।

केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। कोई भी सामान्य से सामान कार्यकर्ता इसका नेतृत्व कर सकता है। भाजपा कार्यकर्ताओं का लक्ष्य होना चाहिए कि वह केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाए।

सोलर एनर्जी में उत्तर प्रदेश देश में नंबर वन

वर्ष 2014 के बाद देश में बहुत बड़ा बदलाव आना शुरू हुआ और वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में बड़े बदलाव की शुरुआत हुई। आज उत्तर प्रदेश में हवाई अड्डों की बात की जाए या सरकारी विश्वविद्यालय की बात, यह प्रदेश सभी चीजों में अग्रणी है। वैकल्पिक ऊर्जा के रूप में अगर सोलर ऊर्जा की बात करें तो भारत दुनिया का नंबर वन देश बन चुका है वहीं सोलर एनर्जी में उत्तर प्रदेश भारत में नंबर वन है। प्रदेश में योगी नेतृत्व की सरकार आने के बाद बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति, सड़क, रेल, हवाई अड्डा, बिजली, पानी सभी ने नए आयाम हासिल किए हैं। इससे पहले क्षेत्रीय महामंत्री और जिला वर्ग प्रभारी डॉ. विकास अग्रवाल ने विचार परिवार विषय पर कहा कि भाजपा का जो वृहद स्वरूप देखने को मिल रहा है।

बिजली व्यवस्था बिगड़ने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सख्त संदेश

गांव हो या शहर भीषण गर्मी में निर्बाध बिजली देना सुनिश्चित करें, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में बढ़ती बिजली मांग के बीच उत्पादन क्षमता बढ़ाने और सभी इकाइयों को पूरी दक्षता से संचालित करने के निर्देश दिए और कहा कि आम जन को बिजली आपूर्ति के बारे में सही जानकारी दें, समाधान कब तक, यह भी बताएं।, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / लखनऊ,

- रिकार्ड मांग के बीच ऊर्जा विभाग को अलर्ट मोड में रहने की हिदायत
- फीडर से लेकर काल सेंटर तक सभी की जवाबदेही की जाएगी तय

भीषण गर्मी में रिकार्ड स्तर पर पहुंची बिजली की मांग के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ निर्देश दिए हैं कि गांव हो या शहर, प्रदेश में कहीं भी बिजली संकट की स्थिति नहीं बननी चाहिए। ऊर्जा विभाग, पावर कारपोरेशन और सभी डिस्काम अधिकारियों के साथ रविवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन, किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को निर्बाध तथा गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि शिकायत निस्तारण, ट्रांसफार्मर मरम्मत और फीडर संचालन में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अपने आवास में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि बढ़ती बिजली मांग को देखते हुए उत्पादन क्षमता का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 13,388 मेगावाट हो गई है।

ट्रांसमिशन नेटवर्क की मजबूती पर विशेष जोर

ऊर्जा व्यवस्था को और भरोसेमंद बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने ट्रांसमिशन नेटवर्क की मजबूती पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गर्मी और आंधी-तूफान जैसी परिस्थितियों में भी बिजली आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए त्वरित रिस्पांस सिस्टम चौबीसों घंटे सक्रिय रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि फील्ड स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए और फीडरवार मानिटरिंग से यह सुनिश्चित किया जाए कि शिकायतों का तत्काल समाधान हो।

ट्रांसफार्मर क्षति में आई कमी

मुख्यमंत्री ने ट्रांसफार्मर क्षति में आई कमी को सकारात्मक उपलब्धि बताते हुए इसे और बेहतर करने के निर्देश दिए। अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2022-23 में जहां 429 पावर ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुए थे, वहीं वर्ष 2025-26 में यह संख्या घटकर 87 रह गई है। बड़े वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षति दर में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। प्रदेश में बिजली मांग लगातार नए रिकार्ड बना रही है। बैठक में बताया गया कि भीषण गर्मी में पीक डिमांड 30,339 मेगावाट तक दर्ज की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बढ़ती मांग के अनुरूप सभी संभावित स्रोतों से बिजली खरीद और आपूर्ति प्रबंधन सुनिश्चित की जाए। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति पर भी जोर दिया। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2029 तक अतिरिक्त 10,719 मेगावाट क्षमता जोड़ने की तैयारी चल रही है, जिसमें विंड एनर्जी, बैटरी स्टोरेज, पंप हाइड्रो और हाइब्रिड परियोजनाएं शामिल हैं।

हेल्पलाइन और स्मार्ट मीटर सिस्टम की भी समीक्षा

उपभोक्ता सेवाओं को तकनीक आधारित और पारदर्शी बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने हेल्पलाइन व्यवस्था और स्मार्ट मीटर सिस्टम की भी समीक्षा की। 1912 काल सेंटर व्यवस्था के तहत अब प्रतिदिन 90 हजार काल संभालने की क्षमता विकसित की गई है। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत को काल सेंटर का भौतिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल शिकायत दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उपभोक्ताओं को यह भी बताया जाए कि समस्या कब तक दूर होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली आपूर्ति केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि किसानों की सिंचाई, उद्योगों की उत्पादन क्षमता, व्यापारिक गतिविधियों और आम नागरिकों के दैनिक जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है, इसलिए हर स्तर पर सतर्कता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए ताकि भीषण गर्मी में प्रदेशवासियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महर्षि कश्यप चेयर के लिए सरकार देगी फंड : नायब

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कश्यप समाज के लिए कई बड़ी घोषणाएं करते हुए कहा कि कैथल में महर्षि कश्यप के नाम से धर्मशाला निर्माण के लिए समाज द्वारा प्रस्ताव दिए जाने पर उचित स्थान उपलब्ध करवाया जाएगा। साथ ही इंद्री में महर्षि कश्यप के नाम से चौक का नामकरण कर वहां उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके अलावा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महर्षि कश्यप चेयर स्थापित करने के लिए उचित फंड भी उपलब्ध करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री रविवार को चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर में आयोजित राज्य स्तरीय महर्षि कश्यप जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महर्षि कश्यप को महान परोपकारी और प्रजापालक बताते हुए कहा कि उन्होंने स्मृति ग्रंथ और कश्यप संहिता जैसे महान ग्रंथों की रचना कर समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कश्यप समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। रामायण काल में निषाद जैसे बलशाली राजा इसी समाज से हुए, जिन्होंने वनवास के दौरान भगवान श्रीराम को आश्रय दिया था। भक्त प्रहलाद और दशमेश पिता गुरु गोबिंद सिंह जी के पंच प्यारों में भाई हिम्मत सिंह कश्यप भी इसी समाज से थे। उन्होंने कश्यप समाज को साहसी, वीर, परिश्रमी और स्वाभिमानी बताते हुए कहा कि समाज में अपार क्षमताएं हैं और इनका उपयोग समाज व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुख्यमंत्री ने समाज से अपने बच्चों को नशे जैसी कुप्रवृत्तियों से दूर रखने की अपील भी की। इंद्री से विधायक राम कुमार कश्यप ने कहा कि कश्यप समाज महर्षि कश्यप जयंती को कैथल में बड़े स्तर पर मनाना चाहता था, लेकिन पश्चिमी देशों में युद्ध के कारण पेट्रोलियम पदार्थों की संभावित कमी को देखते हुए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की अपील पर छोटा कार्यक्रम आयोजित किया गया, ताकि डीजल और पेट्रोल की बचत हो सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी सहित समाज के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बकरीद : नवाबों के शहर में सेवइयों से सजने लगे बाजार, बढ़ी रौनक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ईद उल अजहा के त्योहार के लिए बकरामंडियों के साथ-साथ शहर की बाजारों में रौनक बढ़ गई है। अमीनाबाद, चौक, नक्खास समेत शहर की अलग-अलग बाजारों में खरीदारों की आमद बढ़ने लगी है। बाजारों में सेवईं से लेकर कपड़े और घरेलू सामान की खरीदारी करने के लिए महिलाएं घरों से निकल रही हैं।

ईद उल अजहा में मिठास घोलने के लिए सेवईं का बाजार सज गया है। जहां पुराने लखनऊ अमीनाबाद, चौक नक्खास, मौलवीगंज में सेवईं की दुकानों में खरीदार बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ निशातगंज, डंडईया बाजार में भी लोग सेवईं खरीद रहे हैं। निशातगंत करामत मार्केट के सेवईं दुकानदार ने बताया कि जुमेरात को बकरीद है ऐसे में खरीदार आने लगे हैं। हमारे यहां महीन, मोटी, भुनी और कच्ची सेवईं मौजूद है। बनारसी सेवईं को भी लोग काफी पसंद करते हैं। अलग-अलग किस्म की सेवईं की अलग-अलग कीमत है। अमूमन दुकानों पर 80 से 100 रुपये में मोटी, भुनी, महीन, कच्ची सेवईं मिल जाएगी। इसके अलावा बनारसी सेवईं का डिब्बा भी आपको 140 रुपये से लगाकर 160 रुपये के बीच मिल जाएगा।

पुराने लखनऊ अमीनाबाद, चौक नक्खास, मौलवीगंज में सेवईं की दुकानों में खरीदार बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ निशातगंज, डंडईया बाजार में भी लोग सेवईं खरीद रहे हैं।

निशातगंत करामत मार्केट के सेवईं दुकानदार ने बताया कि जुमेरात को बकरीद है ऐसे में खरीदार आने लगे हैं। हमारे यहां महीन, मोटी, भुनी और कच्ची सेवईं मौजूद है। बनारसी सेवईं को भी लोग काफी पसंद करते हैं। अलग-अलग किस्म की सेवईं की अलग-अलग कीमत है। अमूमन दुकानों पर 80 से 100 रुपये में मोटी, भुनी, महीन, कच्ची सेवईं मिल जाएगी। इसके अलावा बनारसी सेवईं का डिब्बा भी आपको 140 रुपये से लगाकर 160 रुपये के बीच मिल जाएगा।

कई वैराइटी की सेवइयां मौजूद: ईद-उल-अजहा के लिए पुराने लखनऊ में सेवईयों का बाजार सज गया है। दस्तरख्वान पर बकरीद के दिन मीठी सेंवईयां भी परोसी जाती हैं। चौक, नक्खास, अमीनाबाद, मौलवीगंज, हुसैनाबाद आदि जगहों पर सेवईयों का बाजार सजा हुआ है। जहां मोटी, बारीक, लच्छेदार के साथ कई वैराइटी की सेवईयां मौजूद है। सेवई कारोबरी मोहम्मद आरिफ ने बताया कि उनके यहां छड़ व सादी सेवई, छत्ते वाली सेवई, किमामी सेवई, बनारसी, भुनी सेवई, लाल लच्छा, सफेद लच्छा, बनारसी लच्छा, सूतफेनी, रूमाली, दूध फेनी आदि बिक रही है। इस समय सबसे ज्यादा मांग में बनारसी किमामी सेवई है, जो हाथों हाथ खरीदी जा रही है।

कपड़े की दुकानों पर बढ़ी रौनक: ईद उल अजहा के लिए कपड़े की दुकानों पर भी खरीदारों की भीड़ बढ़ रही है। नमाज के लिए लोगों ने कुर्ता पजामे की दुकानदारी शुरू कर दी है। वहीं, महिलाएं अपने बच्चों के कपड़े लेने के लिए भी अमीनाबाद और आसपास की दुकानों में खरीदारी कर रही हैं। कुर्ते की बात करें तो मौसम के हिसाब से इस साल भी चिकनकारी, कॉटन और लेनिन के कुर्तों को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि अभी खरीदारी शुरू हुई है, कल से आमद और बढ़ेगी। अमूमन बकरीद में कुबार्नी को लेकर बकरों की ही ज्यादा खरीदारी होती है। लेकिन घरों में पकवान भी बनते हैं। सेवईं के अलावा खाने की कई डिशेज बनती हैं, ऐसे में उनकी खरीदारी करने आए हैं। साथ ही घरेलू सामान भी ले रहे हैं।

राजधानी में सजने लगी बकरा मण्डी, तैयारियां शुरू

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार 28 मई को मनाया जाएगा। मस्जिदों में विशेष नमाज की तैयारियों को अन्तिम रूप दिया जा रहा है। इसको लेकर गंगा जमुनी तहजीब की पहचान नवाबों के शहर लखनऊ में बकरीद को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। यहां की मशहूर बकरा मंडी सजकर तैयार हो गई है। चौक, अकबरी गेट, अमीनाबाद और नक्खास और आईआईएम रोड में देश के कोने-कोने से लोग बकरे को लेकर आए हैं। इस साल महंगे हैं सभी बकरे लखनऊ की मशहूर बकरा मंडी के जमाल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस बार गर्मी ज्यादा पड़ रही है। इस वजह से बकरों के रख रखाव पर ज्यादा खर्च हो रहा है। इसलिए इस बार देसी बकरा भी 50 से 70 हजार रुपए में मिल रहा है। इससे नीचे किसी को भी कोई बकरा नहीं मिल रहा है। इस बार बकरीद पर सभी को महंगे बकरे ही मिल रहे हैं। नवाबों की नगरी में सेवईयों से गुलजार हुए बाजार, खूब हो रही खरीदारी लखनऊ। ईद उल अजहा के त्योहार के लिए बकरामंडियों के साथ-साथ शहर की बाजारों में रौनक बढ़ गई है। अमीनाबाद, चौक, नक्खास समेत शहर की अलग-अलग बाजारों में खरीदारों की आमद बढ़ने लगी है। ईद-उल-अजहा में कुर्बानी का खास महत्व है। जिसके लिए अकीदतमंदों ने बकरों की खरीदारी शुरू कर दी है। खास बात ये है कि शहर में बाजार सजने के साथ-साथ ऑनलाइन बकरों की बाजार सज चुकी है ईद-उल-अजहा में लगातार तीन दिन तक कुर्बानी दी जाती है। जिसके लिए बकरों की खरीद फरोख्त होती है। लखनऊ में चौक, दुबग्गा, अलीगंज समेत कई स्थानों पर बकरा मण्डी लगती है।

एक साल का बकरा होना शर्त: दारुल उलूम निजामिया फरंगी महली के अन्तर्गत ईद-उल-अजहा हेल्पलाइन शुरू हो गई है। इस हेल्पलाइन पर कुर्बानी, हज और उमराह से जुड़े सवाल पूछे जा रहे हैं। हेल्पलाइन को कुर्बानी किस पर वाजिब है सवाल पर जवाब दिया गया कि कुबार्नी हर उस मुसलमान, आकिल, बालिग और मुकीम पर वाजिब है जो साहिब ए निसाब हो। इसके साथ ही सवाल पूछा गया कि अगर बकरा मुकम्मल एक साल का है लेकिन उसके दांत नहीं निकले हैं तो कुबार्नी सही है। इस सवाल के जवाब में उलेमा के पैनल ने कहा कि कुबार्नी है, बस बकरा एक साल का होना शर्त है। दांत निकलना जरूरी नहीं है। एक सवाल पूछा गया कि कुछ जगहों पर मशहूर है कि जानवर खरीद कर ही कुबार्नी दे सकते हैं पालतू को नहीं, क्या यह सही है। इस सवाल पर कहा गया कि यह सही नहीं है। जानवर को खरीद कर कुबार्नी दें या पाल कर, दोनों सही है।

बकरीद : कुर्बानी की फोटो सोशल साइट पर अपलोड न करें : ईदगाह लखनऊ में इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया की ओर से ईद उल अजहा की तैय्यारियों के सिलसिले में एक अहम बैठक हुई। बैठक में ईदगाह कमेटी, जिला प्रशासन, पुलिस कमिश्नरेट और नगर निगम के अधिकारी उलेमा शामिल रहे। ऐशबाग ईदगाह में ईद-उल-अजहा की नमाज सुबह दस बजे होगी। इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली इस साल बकरीद सात जून को मनायी जाएगी। मुसलमान बड़ी संख्या में ईदगाह और विभिन्न मस्जिदों में ईद की नमाज अदा करते है। इसलिए इस अवसर पर जिला प्रशासन व नगर निगम की जिम्मेदारी है कि ईदगाह और तमाम मस्जिदों के आस पास उचित सफाई कराए और बिजली व पानी की सप्लाई सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा के मुबारक दिनों में शहर का अमन व अमान और सलामती बनाये रखने के लिए उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि कुबार्नी के जानवरों की आने जाने में किसी प्रकार की रुकावट न लगाई जाए। इन दिनों में भी सफाई के विशेष प्रबन्ध सुनिश्चित किये जाएं। मौलाना ने मुसलमानों से यह भी अपील की कि कुर्बानी की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर न डालें। मौलाना ने कहा कि नमाज अदा करने वालों को सहूलियत पहुंचाई जाए और ईदगाह मैदान और उसके आस पास में सफाई पर खास ध्यान दिया जाए।

राहुल गांधी का बयान जनादेश का अपमान : पंकज चौधरी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने की राहुल गांधी के बयान की कड़ी आलोचना

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा दिए गए उस बयान की कड़ी आलोचना की है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अगले एक वर्ष में मोदी सरकार गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि यह बयान लोकतांत्रिक व्यवस्था और देश की जनता द्वारा दिए गए जनादेश का सीधा अपमान है।

उन्होंने कहा कि लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनादेश पर सवाल उठाना कांग्रेस की पुरानी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। जब-जब देश की जनता ने कांग्रेस को नकारा है, तब-तब कांग्रेस नेतृत्व ने आत्ममंथन करने के बजाय लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया है। राहुल गांधी का यह बयान भी उसी मानसिकता का परिचायक है, जिसमें सत्ता प्राप्ति के लिए भय, भ्रम, अविश्वास और अराजकता का वातावरण तैयार करने की कोशिश की जाती है।

उन्होंने कहा कि देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को स्पष्ट और मजबूत जनादेश दिया है। यह जनादेश केवल सरकार बनाने का नहीं, बल्कि विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का जनादेश है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल यह भलीभांति जानते हैं कि लोकतांत्रिक तरीके से भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करना उनके लिए लगातार कठिन होता जा रहा है, इसलिए वे जनता के विश्वास को कमजोर करने के लिए नकारात्मक राजनीति का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व मंच पर तेजी से अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आर्थिक, सामरिक, तकनीकी और वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। ऐसे समय में कांग्रेस नेताओं द्वारा विदेशी मंचों पर जाकर भारत की आलोचना करना, संवैधानिक संस्थाओं पर अविश्वास प्रकट करना और हर सकारात्मक उपलब्धि पर प्रश्नचिह्न लगाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह आचरण केवल राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि राष्ट्रहित के ऊपर सत्ता की राजनीति को प्राथमिकता देने वाली मानसिकता को दर्शाता है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि भारत का लोकतंत्र अत्यंत मजबूत है और यहां सरकारें जनता के आशीर्वाद से बनती और चलती हैं, किसी की मनोकामनाओं या साजिशों से नहीं गिरतीं। देश की जनता ने बार-बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास जताया है और यही कारण है कि विपक्ष निराशा और हताशा में इस प्रकार के गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहा है।

भाजपा सरकार ने देश को आर्थिक संकट में फंसा दिया : अखिलेश

अमन लेखनी समाचार

- सपा अध्यक्ष ने विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं को किया सम्बोधित

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने देश को गंभीर आर्थिक संकट में फंसा दिया है। महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। रोज-रोज, पेट्रोल-डीजल की महंगाई का क्या अर्थ है? अर्थव्यवस्था अनियंत्रित क्यों हो गयी? 12 वर्ष की सरकार के हिसाब की जवाबदेही किसकी है?

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में रविवार को प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा असत्य के रास्ते पर है। पूरे यूपी को अंधकार में धकेल दिया है। यूपी में समस्याओं का अम्बार है। जब से भाजपा सत्ता में आयी है, आमजन का जीना दूभर हो गया है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने यूपी का बंटाधार कर दिया है। अपने दो कार्यकाल में भाजपा सरकार ने पीडीए समाज के साथ सबसे ज्यादा अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि लोक कल्याणकारी राज्य का नेतृत्व ईमानदार होना चाहिए। भाजपा में इसका नितांत अभाव है। भाजपा समाज में नफरत फैलाकर राजनीति करने का पाप कर रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि 2022 में सपा सरकार बनाने से चूक गयी थी। 2027 में कोई कसर नहीं छोड़नी है। जनता सपा के साथ है। सपा का लक्ष्य शत प्रतिशत सीटें जीतने का है। इस बार यूपी से भाजपा का पूरा का पूरा सफाया करना है। पीडीए जीत की गारंटी है। 2024 का लोकसभा चुनाव मिसाल है।

महिलाओं को मिला आत्मनिर्भरता का आधार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में आंगनबाड़ी व्यवस्था लगातार मजबूत और आधुनिक होती जा रही है। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की योजनाओं ने प्रदेश की लाखों आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं को नई पहचान, सम्मान और आर्थिक मजबूती दी है। कभी सीमित संसाधनों और कम सुविधाओं में काम करने वाली महिलाएं योगी सरकार में गांव-गांव में महिला सशक्तीकरण और सामाजिक जागरूकता की मजबूत मिसाल बनकर उभरी हैं।

प्रदेश में वर्तमान समय में 1,83,049 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और 1,61,491 सहायिकाएं कार्यरत हैं। यानी करीब 3.44 लाख महिलाएं बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के पोषण, स्वास्थ्य और देखभाल की जिम्मेदारी निभा रही हैं। योगी सरकार ने इन महिलाओं को केवल मानदेय आधारित कर्मचारी मानने के बजाय समाज परिवर्तन की अहम कड़ी के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है।

योगी सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए मानदेय और प्रोत्साहन राशि में सुधार किया है। वर्तमान में कार्यकत्रियों को 8 हजार रुपये और सहायिकाओं को 4 हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जा रहा है।

जिसमें कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि की व्यवस्था भी लागू है। पूरक पोषण का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने पर कार्यकत्रियों को 500 रुपये और सहायिकाओं को 400 रुपये अतिरिक्त दिए जाते हैं। इसके अलावा पोषण ट्रैकर पर लाभार्थियों की पूरी फीडिंग करने पर कार्यकत्रियों को 1,000 रुपये और सहायिकाओं को 350 रुपये अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

बाल विकास एवं पुष्टाहार तथा राज्य पोषण मिशन की निदेशक हर्षिता माथुर ने बताया कि योगी सरकार ने आंगनबाड़ी व्यवस्था को तकनीक से जोड़कर आधुनिक स्वरूप दिया है।

पोषण ट्रैकर प्रणाली लागू होने से लाभार्थियों का रिकॉर्ड ऑनलाइन हो रहा है और योजनाओं की निगरानी अधिक प्रभावी बनी है। निदेशक हर्षिता माथुर ने बताया कि फेस रिकग्निशन सिस्टम के जरिए 98.76 प्रतिशत लाभार्थियों का पंजीकरण पूरा किया जा चुका है। इससे फर्जीवाड़े पर रोक लगी है और योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंच रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा पर भी सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। प्रदेश में 3,16,724 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिससे उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। इससे लाखों महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार मिला है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान संगठन को मजबूती देने का सशक्त माध्यम

जिला प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को एक रिसॉर्ट मोहनलालगंज, रायबरेली रोड, लखनऊ में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत जिला प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया।

उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम संगठन की मजबूती का आधार होते हैं तथा कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, राष्ट्रसेवा एवं जनकल्याण के प्रति और अधिक समर्पित बनाना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता हर परिस्थिति में जनता के बीच रहकर कार्य करता है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत एवं पहचान है। उन्होंने कहा कि कुछ नेता केवल आलोचना की राजनीति करते हैं, जबकि जनता विकास और सकारात्मक कार्यों को प्राथमिकता देती है। उन्होंने पं. दीन दयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनके विचार, आदर्श और बलिदान आज भी संगठन की वैचारिक नींव को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने संगठन की गतिविधियों एवं आगामी रणनीतियों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

ग्रामीण विकास को नयी गति दे रही डबल इंजन सरकार

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को एक रिसॉर्ट, मोहनलालगंज, रायबरेली रोड, लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में विकास खण्ड मोहनलालगंज के ग्रामीण क्षेत्रों में केन्द्रीय वित्त आयोग एवं पंचम वित्त (राज्य वित्त आयोग) से निर्मित 32 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 3 करोड़ रुपये है। लोकार्पित परियोजनाओं में सी.सी. रोड निर्माण, खड़ंजा निर्माण एवं मरम्मत, इंटरलॉकिंग, नाला एवं नाली निर्माण, आर.ओ. वाटर प्लांट स्थापना, तालाब निर्माण तथा पंचायत भवनों के मरम्मत कार्य शामिल हैं। इन विकास कार्यों से क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा आवागमन, स्वच्छता एवं पेयजल व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उप मुख्यमंत्री ने जिन प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण किया, उनमें ग्राम पंचायत सिसेंडी में बड़े शिवालय मंदिर से सोनू शुक्ला की दुकान तक सी.सी. रोड निर्माण, दयालपुर में भज्जन म.ऊ. डामर रोड खड़ंजा निर्माण, हसनपुर में सी.सी. रोड एवं नाला निर्माण, रायभान खेड़ा में नाली निर्माण, परसपुरछ एवं गौतम खेड़ा में नाली व इंटरलॉकिंग कार्य, नन्दौली में खड़ंजा मरम्मत, सलेमपुर अचाका एवं रघुनाथ खेड़ा में इंटरलॉकिंग व सी.सी. रोड निर्माण, धतौली में नाला निर्माण, डलौना में चन्दा ताली तालाब निर्माण, उतरावां एवं कुशमौरा में आर.ओ. वाटर कार्य सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में अनेक विकास कार्य शामिल हैं।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी को देखकर उसकी सराहना की। साथ ही क्षेत्र पंचायत निधि से संपन्न विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, जिलाध्यक्ष विजय मौर्य, भाजपा के प्रदेश मंत्री शंकर लाल लोधी एवं अर्चना मिश्रा, एमएलसी रामचंद्र प्रधान, विधायकगण योगेश शुक्ला, अमरेश कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपखनिजों के अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध प्रवर्तन अभियान : माला श्रीवास्तव

लखनऊ। प्रदेश में उपखनिजों के अवैध खनन, अवैध परिवहन तथा ओवरलोडिंग पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से सचिव एवं निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, उत्तर प्रदेश माला श्रीवास्तव के निर्देश पर अमित कौशिक संयुक्त निदेशक के नेतृत्व में निदेशालय स्तर से प्रदेश के प्रयागराज, फतेहपुर, बांदा, कौशाम्बी, चित्रकूट, रायबरेली, प्रतापगढ़, अमेठी, आदि जिलों में विशेष अभियान चलाया गया है। जांच में अधिकांश वाहन वैध परिवहन प्रपत्रों के साथ परिवहन करते हुए पाए गए, जबकि जिन वाहनों में अवैध परिवहन अथवा ओवरलोडिंग पायी गयी, उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की गयी। इस कार्रवाई के तहत लगभग 35 वाहनों पर 12 लाख रुपये का की धनराशि अधिरोपित की गयी। यह विशेष प्रवर्तन अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए सचिव एवं निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म, उत्तर प्रदेश माला श्रीवास्तव ने अंतर्राज्यीय सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अन्य राज्यों से आने वाले उपखनिजों का परिवहन आईएसटीपी के साथ ही सुनिश्चित किया जाये तथा किसी भी दशा में ओवरलोडिंग न होने दी जाये।

शपथ लेने के बाद अखिलेश से मिले पार्षद ललित किशोर तिवारी

लखनऊ। सपा के पार्षद ललित किशोर तिवारी ने लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद लखनऊ उत्तर विधानसभा क्षेत्र के फैजुल्लागंज वार्ड-73 से विजयी घोषित होकर आज अपने पद की शपथ लेने के बाद पार्टी के राज्य मुख्यालय में आकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से भेंट किया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी एवं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल भी मौजूद रहे।

अखिलेश यादव ने ललित किशोर तिवारी के पार्षद बनने पर बधाई दी और कहा कि यह न्यायालय की जीत है। उन्होंने तिवारी से जनसेवा करते हुए 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा की जीत के लिए जुटने को कहा। तिवारी ने अपने चुनाव संघर्ष में सपा के समर्थन-सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्व में सपा सरकार 2027 में पुनः बनाने का संकल्प लिया। ललित किशोर तिवारी के साथ नगर निगम, लखनऊ में पार्षद दल के नेता कामरान बेग, उत्तर विधानसभा पार्टी प्रभारी पूजा शुक्ला तथा पार्षद नदीम खान, गुलशन अब्बास ने भी अखिलेश यादव से भेंट की। इस अवसर पर देवी बक्स सिंह एडवोकेट, डॉ. हमजा बिलाल, शैलेंद्र वर्मा, सुधीर मौर्य, रमेश भाई, सहित एडवोकेटगण करूणेश तिवारी, सत्य नारायण, सतेन्द्र सिंह, आलोक यादव, सत्य नारायण यादव, राम सुफल, संजय पटेल, सिराज अहमद, दिलीप पाठक, प्रत्यूष तिवारी, हिमांशु शुक्ला, रमन वर्मा, अरविन्द पाठक तथा अचल तिवारी, अभिषेक तिवारी, मानस तिवारी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

लखनऊ में फैलायी गयी पेपर लीक की झूठी सूचना जांच में निकली पूरी तरह फर्जी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं को लेकर वर्षों तक सक्रिय रहे पेपर लीक और नकल माफियाओं के नेटवर्क पर योगी सरकार की सख्ती लगातार भारी पड़ रही है। इसका बड़ा उदाहरण विगत दिनों आयोजित लेखपाल मुख्य परीक्षा-2025 में देखने को मिला, जहां सोशल मीडिया के जरिए पेपर लीक की अफवाह फैलाने की कोशिश हुई, लेकिन प्रशासन और आयोग की सतर्कता के आगे यह साजिश पूरी तरह नाकाम साबित हुई। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा आयोजित यह परीक्षा प्रदेश के 44 जिलों के 861 केंद्रों पर शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई। कुल 3,66,712 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 3,01,756 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। उपस्थिति प्रतिशत 82.29 रहा, जो अभ्यर्थियों के भरोसे को भी दर्शाता है। परीक्षा शुरू होते ही लखनऊ के ऐशबाग स्थित गोपीनाथ लक्ष्मणदास रस्तोगी इंटर कॉलेज को लेकर कुछ लोगों ने पेपर लीक की अफवाह फैलाने की कोशिश की। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, आयोग और निगरानी टीमों ने तत्काल जांच शुरू की। जांच में साफ हुआ कि प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट पूरी तरह सीलबंद और सुरक्षित थीं। दरअसल, एक कक्ष के कुछ अभ्यर्थी भ्रम की स्थिति में बाहर आ गए थे, जिसे कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर पेपर लीक का रंग देने की कोशिश की। अधिकारियों ने मौके पर स्थिति स्पष्ट की, जिसके बाद अभ्यर्थी वापस परीक्षा कक्ष में पहुंचे और परीक्षा शांतिपूर्वक जारी रही। इस बार परीक्षा की निगरानी पूरी तरह तकनीक आधारित रही। आयोग मुख्यालय से लेकर सभी परीक्षा केंद्रों तक कंट्रोल कमांड रूम के जरिए लाइव मॉनिटरिंग की गई।

खनन डंपर ने तोड़े चार बिजली पोल, 12 घंटे गुल रही सप्लाई

अमन लेखनी समाचार

क्षतिग्रस्त पड़े सड़क पर टूटे खंभे

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के उतरेहटा गांव के पास शनिवार देर रात खनन में लगे तेज रफ्तार डंपर ने बिजली के चार पोलों में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद पोल और तार सड़क पर गिर पड़े, जिससे क्षेत्र के सौ से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। करीब 12 घंटे तक बिजली न आने से ग्रामीणों को भीषण गर्मी में भारी परेशानी झेलनी पड़ी। रविवार सुबह तक सड़क के बीच टूटे पोल और लटकते तार पड़े रहने से हादसे का खतरा बना रहा। नाराज ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर प्रशासन और खनन कार्य में लगे लोगों के खिलाफ आक्रोश जताया। ग्रामीणों का कहना था कि खनन में लगे डंपर तेज रफ्तार से दौड़ते हैं, जिससे आए दिन हादसे का खतरा बना रहता है। उनका कहना था कि यदि रात में कोई राहगीर टूटे तारों की चपेट में आ जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

सूचना पर पहुंची विद्युत विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। विभाग ने खनन कार्य करा रहे पक्ष से पोलों की लागत जमा कराकर नए पोल लगवाए, जिसके बाद दोपहर तक बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। माल जेई राजकुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची थी। चारों पोल पूरी तरह क्षतिग्रस्त मिले थे। जिम्मेदार पक्ष से नए पोल लगवाकर सप्लाई सुचारु करा दी गई है। वहीं रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि मामले की सूचना खनन विभाग को दे दी गई है और हल्का लेखपाल से रिपोर्ट तलब की गई है।

12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का संकल्प लेकर पैदल निकला बाबा का भक्त

अमन लेखनी समाचार

यात्रा पर निकला बाबा का भक्त

लखनऊ। संभल जिले के निवासी भूरा यादव सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार, हिंदू समाज को एकजुट करने और गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर लगभग 650 किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा पर निकले हैं। उनकी यह यात्रा आस्था, संयम और सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण का अनूठा उदाहरण बनती जा रही है।

रविवार दोपहर भूरा यादव मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम भतोइया पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। लोगों ने जलपान कराकर उनका सम्मान किया और यात्रा को सनातन संस्कृति के प्रति गहरी श्रद्धा का प्रतीक बताया।

भूरा यादव ने बताया कि उनकी यात्रा का उद्देश्य सनातन धर्म के मूल सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना और हिंदू समाज को एकता के सूत्र में बांधना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में धर्म, संस्कार और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने की आवश्यकता है। इसी संकल्प के साथ उन्होंने देश के 12 ज्योतिर्लिंगों के पैदल दर्शन का प्रण लिया है।

उन्होंने बताया कि सबसे पहले वह भगवान शिव की नगरी काशी पहुंचकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन करेंगे। इसके बाद अन्य ज्योतिर्लिंगों की यात्रा भी पैदल ही पूरी करेंगे। पूरी यात्रा में करीब दो वर्ष का समय लगने की संभावना है।

यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोग रुककर उन्हें प्रणाम कर रहे हैं और आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की धार्मिक यात्राएं समाज में सकारात्मक संदेश देती हैं और युवाओं को अपनी संस्कृति व परंपराओं से जोड़ने का कार्य करती हैं।

पिकअप वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सामने से आ रही बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलावस्था में उसे एक निजी हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे रेफर कर दिया। इसके बाद सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बंथरा के भदोई गांव निवासी खुशीराम के 20 वर्षीय बेटे रवि ने पास के एक निजी स्कूलों से गत दिनों इंटर की परीक्षा पास की थी। रवि रविवार सुबह अपने कुछ साथियों के साथ उन्नाव जिले के सोहरामऊ थाना क्षेत्र स्थित एक वाटर पार्क गया था। जहां से वह अपनी बाइक लेकर अकेले ही वापस घर लौट रहा था। तभी दोपहर करीब 12:30 बजे बंथरा में बनी-मोहान रोड स्थित लतीफ नगर के पास सामने से आ रही पानी की बोतलें लदी तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने एक कार को ओवरटेक करने के चक्कर में रवि की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी और उसे बाइक सहित करीब 20 मीटर दूर तक घसीटते चला गया। बाद में पिकअप वाहन सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से जा टकराया। घटना के बाद पिकअप वाहन चालक अपनी गाड़ी छोड़कर मौके से भाग निकला। वहीं इस घटना में रवि बुरी तरह घायल हो गया। पीछे बाइकों से आ रहे रवि के साथियों ने आनन-फानन उसे बंथरा के जुनाबगंज स्थित एक निजी हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे वहां से रेफर कर दिया। बाद में रवि को सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पिकअप वाहन को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है। मृतक के परिवार में उसके पिता खुशीराम के अलावा उसकी मां सुनीता और छोटा भाई अंकुश है।

संदिग्ध हालत में मजदूर की मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में रविवार को एक मजदूर की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बंथरा के हसन खेड़ा निवासी अविवाहित चंद्रशेखर (43) मजदूरी करता था। रविवार को वह बंथरा के औरावां में काम पर था। तभी वहां पानी पीते ही अचानक उसके सीने में तेज दर्द होने लगा और उसकी हालत बिगड़ गई। अधिक हालत बिगड़ते देख साथी मजदूरों ने उसे जुनाबगंज स्थित प्रसाद हॉस्पिटल पहुंचाया। लेकिन वहां पहुंचे ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद पहुंचे परिजन उसे अपने घर ले आए और घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिवार में उसकी मां और एक बहन के अलावा दो छोटे भाई हैं। पुलिस के मुताबिक मृतक चंद्रशेखर करीब साल भर पहले गांव में ही रहने वाले हीरालाल की हत्या के मामले में जेल गया था। जहां से वह चार महीने पहले जमानत पर छूट कर आया और मजदूरी कर रहा था। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में हार्ट अटैक से उसकी मौत होना पता चला है। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

संदिग्ध हालत में कमरे के अंदर फांसी के फंदे से लटकता मिला हलवाई का शव

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में बीती रात हलवाई का काम करने वाले अधेड़ ने संदिग्ध हालत में कमरे के अंदर फांसी लगाकर अपनी जान गंवा दी। रविवार सुबह जानकारी पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक बंथरा थाना क्षेत्र के भदोई गांव में रहने वाला राजेश मौर्य (49) अपनी पत्नी पिंकी के अलावा बेटी कशिश और बेटे अनय के साथ रहकर हलवाई का काम करता था। शनिवार रात खाना खाने के बाद सभी लोग सो गए। राजेश भी कमरे के अंदर सोने चला गया। रविवार सुबह करीब 5:30 बजे पत्नी पिंकी अपने पति राजेश को जगाने गई तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। उसने कई बार आवाज दी, लेकिन अंदर से ना कोई जवाब मिला ना ही दरवाजा खुला। इसके बाद जब खिड़की से झांक कर देखा तो राजेश कमरे के अंदर पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। यह देख घर में कोहराम मच गया। आनन फानन घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने दरवाजे की कुंडी तोड़कर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मृतक अधिक शराब पीने का आदी था। उसने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। फिलहाल मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

पड़ोसियों के बीच विवाद में जमकर पथराव, पांच लोग घायल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के अलीनगर गांव में पड़ोसियों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि कहासुनी के बाद दबंगों ने एक परिवार के घर पर पथराव कर दिया, जिसमें पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर आरोपी मौके से फरार हो गए। अलीनगर निवासी रामप्यारी के अनुसार पड़ोसी धर्मेंद्र, जितेंद्र और उनके पिता कामता से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि विवाद के बाद तीनों ने मिलकर उनके घर पर पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए पथराव से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना में राम प्यारी, आशीष, रामसनेही, उमाशंकर और लक्ष्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची रहीमाबाद पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया।

संक्षेप

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गांव गिरजानगर में 28 वर्षीय विवाहिता ने कमरे में दुपट्टे से लटककर जीवन लीला समाप्त कर ली। मां की सूचना पर पुलिस ने पोस्टमार्टम भेजा है। गिरजानगर निवासी तारावती पत्नी रामकुमार ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि शनिवार देर शाम मेरी पुत्री उजाला पत्नी विकास घर में सुनसान मौका पाकर कमरे में दुपट्टे से लटककर जीवन लीला समाप्त कर ली। प्रभारी थाना अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि सूचना पर पीएम कराया गया है।परिजनों द्वारा अभी तक किसी प्रकार का आरोप नहीं लगाया गया।मृतका का विवाह 2021 में पुरवा थाना क्षेत्र के गांव गढाकोला में विकास के साथ हुआ था संतान न होने के चलते पति-पत्नी में अनबन चल रही थी जिसके चलते मृतका उजाला अपने मायके में ही रह रही थी।पति पत्नी का मुकदमा भी न्यायालय में चल रहा था।स्थानीय लोगों की माने तो मानसिक परेशानी के चलते उजाला ने आत्महत्या कर ली।मृतका के तीन भाई हैं दो दिल्ली में रहकर प्राइवेट काम करते हैं एक गांव में ही रहकर मजदूरी करता है। मृतका ने आत्महत्या करने के लिए पहले डाई भी पी थी।

एसपी ने कई पुलिस कर्मियों को किया इधर से उधर

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। जारी आदेश के तहत कई कंप्यूटर ऑपरेटरों, मुख्य आरक्षियों और कांस्टेबलों का तत्काल प्रभाव से तबादला किया गया है। साथ ही बीघापुर थाना और लालकुआं चौकी में नई तैनातियां की गई हैं। हाल ही में हुए लूटकांड के मामले में निलंबित किए गए बीघापुर थानाध्यक्ष राजपाल की जगह पुलिस लाइन में तैनात दरोगा अरविंद कुमार को बीघापुर थाने की कमान सौंपी गई है। वहीं दरोगा मोहित कनौजिया को भी थाना बीघापुर भेजा गया है। विभाग इसे कानून व्यवस्था सुधारने की दिशा में अहम कदम मान रहा है।लालकुआं चौकी इंचार्ज सुनील अवस्थी को लाइन हाजिर कर दिया गया है। उनकी जगह पुलिस लाइन में तैनात दरोगा गजेंद्र को नया चौकी प्रभारी बनाया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रशासनिक जरूरतों और बेहतर पुलिसिंग के लिए यह बदलाव किए गए हैं।तबादला सूची में सबसे अधिक फेरबदल पुलिस लाइन से यातायात शाखा में देखने को मिला है। कंप्यूटर ऑपरेटर सुशील कुमार प्रजापति को पुलिस लाइन से थाना गंगाघाट भेजा गया है, जबकि हेड कांस्टेबल सौरभ मिश्रा का तबादला कोतवाली से थाना आसीवन किया गया है।इसके अलावा शोभित कुमार, रजत तोमर, रामशरण, योगेन्द्र अवस्थी, अभिषेक अवस्थी, संजय सिंह भाटी और शिवेन्द्र सिंह को पुलिस लाइन से यातायात शाखा में भेजा गया है। वहीं सुमित कुमार को पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय में तैनाती दी गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी आदेश की प्रतिलिपि संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है। सभी स्थानांतरित कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में पुलिस व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए विभाग में और बदलाव हो सकते हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने चलाया अभियान भरे गए 8 नमूने

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी और अस्वच्छ खाद्य पदार्थों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय प्रियंक सिंह के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 8 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। विभाग ने गंदगी, खराब गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के आरोप में कई दुकानदारों को नोटिस भी जारी किए।

अभियान के तहत, आवास विकास स्थित खुशी आइसक्रीम फैक्ट्री में भारी गंदगी पाई गई। निरीक्षण के दौरान निर्माण स्थल पर साफ-सफाई के मानकों का पालन नहीं हो रहा था। खाद्य पदार्थ खुले में रखे मिले और निर्माण प्रक्रिया भी अस्वच्छ परिस्थितियों में चल रही थी। इस गंभीर उल्लंघन पर विभाग ने फैक्ट्री संचालक को कारोबार बंद करने का नोटिस जारी किया।

इसी कड़ी में, न्यू दीपिका आइसक्रीम से कुल्फी घोल का नमूना लिया गया, जिसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच टीम ने मौके पर खराब स्थिति में रखे लगभग 5 लीटर आइसक्रीम घोल और 100 पीस चॉकलेट भी नष्ट किए। विभाग के अनुसार, नष्ट किए गए इस सामान की अनुमानित कीमत लगभग 1800 रुपये है।

इसके अतिरिक्त, टीम ने बाजार में बिक रहे मिश्रित दूध, बर्फी और पनीर के भी नमूने एकत्र किए। इन सभी नमूनों को भी जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद, संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सहायक आयुक्त प्रियंक सिंह ने बताया कि आम जनता को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि त्योहारों और गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

निर्माण कार्य में रोड़ा बन रही जीआरपी पुलिस चौकी की दीवार को गया तोड़ा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिकीकरण और सुंदरीकरण का कार्य तेजी से जारी है। इसी क्रम में, स्टेशन भवन के फाउंडेशन निर्माण में बाधा बन रही जीआरपी चौकी की दीवार को रविवार को तोड़ने का काम शुरू किया गया। रेलवे प्रशासन इस चौकी को प्लेटफॉर्म संख्या चार की ओर स्थानांतरित करने की तैयारी कर रहा है। जानकारी के अनुसार, स्टेशन भवन के नए फाउंडेशन के दायरे में जीआरपी चौकी की एक दीवार और टॉवर की दीवार आ रही थी। निर्माण कार्य में कोई रुकावट न आए, इसके लिए कार्यदायी संस्था और रेलवे अधिकारियों ने संयुक्त निरीक्षण कर चौकी को आगे की ओर शिफ्ट करने का निर्णय लिया। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, नई जीआरपी चौकी का निर्माण प्लेटफॉर्म चार की दिशा में किया जाएगा। नई चौकी की लंबाई लगभग 27 फीट और चौड़ाई 11 फीट निर्धारित की गई है। वर्तमान चौकी का करीब आठ फीट हिस्सा स्टेशन भवन के फाउंडेशन क्षेत्र में आ रहा था, जिसके कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा था। इसी वजह से चौकी को नए स्थान पर स्थानांतरित करने की योजना बनाई गई है।अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत भारतीय रेल द्वारा गंगाघाट रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। स्टेशन परिसर में यात्री सुविधाओं का विस्तार, आकर्षक भवन निर्माण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, बैठने की सुविधा, साफ-सफाई और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है। स्टेशन के प्रवेश द्वार और प्लेटफॉर्मों को भी नए सिरे से विकसित किया जा रहा है।निर्माण कार्य के चलते स्टेशन परिसर में मशीनों और मजदूरों की आवाजाही बढ़ गई है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे निर्माण कार्य के दौरान सावधानी बरतें और निर्धारित रास्तों का ही उपयोग करें। अधिकारियों का कहना है कि कार्य पूरा होने के बाद गंगाघाट रेलवे स्टेशन का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

अनियंत्रित डीसीएम खंती में पलटी, टला बड़ा हादसा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। चालक को झपकी लगने से डी सी एम अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जाकर पलट गई इस हादसे में चालक को मामूली चोट आई है गनीमत रही एक बड़ा हादसा टल गया। चालक अमरजीत पुत्र सरेंद्र कुमार निवासी गांव इंद्रा नगरी थाना सिटी 02 पंजाब एक डी सी एम में स्पेयर पार्ट्स का सामान लोडकर फरीदाबाद से लखनऊ लेकर जा रहा था तभी रविवार को सुबह करीब 5:30 बजे बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गांव शीतलगंज के निकट चालक को झपकी लग गई जिससे डी सी एम अनियंत्रित होकर साइड के डिवाइडर तोड़ती हुई गहरी खाई में जाकर पलट गई इस हादसे में चालक मामूली रूप से घायल हुआ जिसका यूपीडा टीम द्वारा मौके पर प्राथमिक उपचार किया गया गनीमत रही कोई जानमाल का नुकसान होने से बच गया।

पारिवारिक कलह से ऊबकर कर वृद्ध ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पारिवारिक कलह से परेशान एक 60 वर्षीय वृद्ध ने रविवार सुबह अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना गंगाघाट थाना क्षेत्र के गंगानगर पानी रोड इलाके की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसके आधार पर जांच की जा रही है।

मृतक की पहचान राम नरेश मिश्रा (60) पुत्र स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण मिश्रा के रूप में हुई है। वह गंगानगर पानी रोड के निवासी थे। बताया जा रहा है कि राम नरेश पहले कानपुर में प्राइवेट नौकरी करते थे और लगभग आठ दिन पहले ही नौकरी छोड़कर घर आए थे। रविवार सुबह जब वह काफी देर तक अपने कमरे से बाहर नहीं निकले, तो परिजनों को शक हुआ। दरवाजा खोलने पर उनका शव साड़ी के फंदे से लटका मिला।परिजनों ने मृतक के बेटे राहुल मिश्रा की पत्नी रिया शुक्ला और उसके मायके पक्ष के लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि करीब तीन साल पहले राहुल की शादी के बाद से ही परिवार में विवाद चल रहा था। पिछले दो वर्षों से पति-पत्नी के बीच लगातार झगड़ा होता था। परिजनों के अनुसार, बहू रिया शुक्ला कथित तौर पर राम नरेश और उनकी पत्नी से बेटे को अलग कर अपने साथ रखना चाहती थी। इसी बात को लेकर घर में अक्सर तनाव का माहौल रहता था।परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि बीते 10 तारीख को बहू के मायके पक्ष के लगभग 20 से 25 लोग मृतक के घर आए थे और पूरे परिवार को धमकाया था। इस घटना के बाद से राम नरेश मिश्रा मानसिक तनाव में रहने लगे थे। पुलिस का मानना है कि इसी प्रताड़ना और घरेलू विवाद से परेशान होकर उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया।

गाजे बाजे के साथ निकाली गई कलश यात्रा

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। क्षेत्र के गांव अमरपुर आँव के श्री झंडेश्वर मंदिर परिसर में 7 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा को लेकर रविवार को पोथी व कलश यात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली गई। क्षेत्र के मंदिरों में भ्रमण करते हुए कथावाचक कानपुर पाली धाम के पंडित वेदांती जी महाराज के नेतृत्व में भारी संख्या में महिला व पुरुष जयकारे लगाते हुए कलश यात्रा में सम्मिलित हुए। मुख्य आयोजक पुष्पा शुक्ला, अवधेश द्विवेदी, सेवानिवृत्ति खंड शिक्षा अधिकारी राकेश पांडे, रविशंकर तिवारी, सत्यम कुशवाहा, सोहित सविता, वेद शंकर कोटेदार,लाला दीक्षित, सोनू त्रिवेदी रहे।

विधानसभा के विभिन्न शक्ति केंद्रों पर भाजपा की संगठनात्मक बैठकें संपन्न

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुरवा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व के निदेर्शानुसार विधानसभा 167 पुरवा के अंतर्गत मंडल पुरवा के विभिन्न शक्ति केंद्रों पर महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में मुख्य रूप से बूथ सशक्तिकरण अभियान को गति देने और संगठन की मजबूती पर विशेष जोर दिया गया।

बूथ अध्यक्ष के आवास पर जुटे दिग्गज, कार्यकताओं को दिया जीत का मंत्र

मंडल पुरवा के शक्ति केंद्र अड़गांव पासा खेड़ा की बैठक बूथ अध्यक्ष अनिल गौतम (नाथी खेड़ा) के आवास पर संपन्न हुई।इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा मंडल मंत्री व प्रभारी हरिकृष्ण शुक्ल ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया।कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि हरिकृष्ण शुक्ल ने कहा कि किसी भी चुनाव में जीत का रास्ता बूथ से होकर गुजरता है। बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करके ही आगामी चुनावों में ऐतिहासिक जीत दर्ज की जा सकती है। उन्होंने प्रत्येक कार्यकर्ता से आह्वान किया कि वे केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लें।इस मौके पर शक्ति केंद्र संयोजक रामखेलावन सविता, सह-संयोजक नीलू लोधी सहित बूथ अध्यक्षों में पत्रकार करनेश सिंह चौहान, अर्पित शर्मा, अनिल गौतम, रामेश्वर, दीपू राजपूत, विनोद शर्मा, अनिल गौतम और वरिष्ठ कार्यकर्ता रिंकू लोधी व शिव बालक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

विभिन्न शक्ति केंद्रों पर बैठकों का दौर, आगामी कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

संगठनात्मक बैठकों के इसी क्रम में अड़गांव पासा खेड़ा शक्ति केंद्र की एक अन्य बैठक मंडल उपाध्यक्ष गौरवेंद्र अवस्थी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें उन्होंने आगामी सांगठनिक तैयारियों और पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की।

वहीं, शक्ति केंद्र मिजार्पुर सम्हारि में आयोजित बैठक में मंडल महामंत्री कमल कुशवाहा, मंडल महामंत्री रामखेलावन, मंडल मंत्री हरिकृष्ण शुक्ल, शक्ति केंद्र संयोजक ओम प्रकाश गुप्ता, शक्ति केंद्र संयोजक रामखेलावन सविता, बूथ अध्यक्ष नीलू लोधी, संजीव कुमार, सुरेंद्र कुमार और वेदयात्री सिंह ने भाग लिया और संगठन की मजबूती को लेकर अपने विचार साझा किए।

ग्रामीणों और कार्यकताओं में दिखा भारी उत्साह

बैठक के दौरान आगामी 'मन की बात' कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भी कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।इस अवसर पर मंजेश कुमार, मुकेश कुमार, विजय कुमार, केशकली, संजेश कुमारी सहित भारी संख्या में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

अनियंत्रित पिकअप ने बाइक सवार को मारी टक्कर, पिता पुत्र घायल, पत्नी की मौत

हादसा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। थाना अजगैन क्षेत्र में एक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। इस दुर्घटना में महिला का पति और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, ताला सराय निवासी रानी देवी (34) अपने पति सुरेंद्र कुमार (37) और 14 वर्षीय पुत्र आर्यमन के साथ बाइक से मौसी के गांव कोईथर से वापस ताला सराय लौट रही थीं। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और राहगीरों की मदद से घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने रानी देवी को मृत घोषित कर दिया। सुरेंद्र कुमार और उनके पुत्र आर्यमन का उपचार जिला अस्पताल में जारी है, जहां चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर बताई है।हादसे की सूचना मिलते ही अजगैन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना के बाद पिकअप चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस वाहन संख्या के आधार पर आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

पति-पत्नी के 24 विवादित जोड़े आपसी कलह भुलाकर एक साथ रहने को हुए राजी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केन्द्र एवं थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया, परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया । तदोपरान्त महिला थाना से 05,थाना गंगाघाट से 04, परिवार परामर्श केन्द्र व थाना बांगरमऊ से 03-03,थाना पुरवा व थाना हसनगंज से 02-02, थाना बेहटा मुजावर, थाना अजगैन, थाना दही, थाना बीघापुर व थाना कोतवाली सदर से 01-01 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। उपरोक्त पुनीत कार्य में प्रभारी परिवार परामर्श समिति डा0 आशीष श्रीवास्तव, शिल्पी श्रीवास्तव, डा0 मनीष सिंह सेंगर, डा0 सगीर अहमद, डा0 अवसार अली तथा पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक परिवार परामर्श केन्द्र / महिला हेल्पडेस्क संतोष कुमारी,प्रभारी निरीक्षक महिला थाना रेखा सिंह महिला उप निरीक्षक मिथिलेश वर्मा एवं महिला हेल्पडेस्क पुलिस टीम से महिला मुख्य आरक्षी/आरक्षीगण कीर्ती सिंह, प्रियंका मिश्रा, प्राची, उपासना, पूजा पाल, शीलू पाल, पूनम शाक्य, सीमा देवी, अल्का यादव, पूजा, स्वाती यादव, बबली गुर्जर, सेविका, सेविका, चिंतन का विशेष योगदान रहा।

विद्युत उपकेंद्र पर ट्रांसफार्मरों को ठंडा करने के लिए लगाए गए कुलर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। लगातार बढ़ रहे तापमान का असर अब बिजली व्यवस्था पर भी साफ दिखाई देने लगा है। भीषण गर्मी के चलते जहां आमजन बेहाल हैं, वहीं बिजली उपकरण भी गर्म होकर जवाब देने की स्थिति में पहुंच रहे हैं। उन्नाव के कुंदन रोड स्थित 132 केवी पावर हाउस में ट्रांसफार्मरों को ओवरहीटिंग से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

यहां ट्रांसफार्मरों को ठंडा रखने के लिए कूलर और झरने जैसी व्यवस्था का सहारा लिया जा रहा है, ताकि बिजली आपूर्ति बाधित न हो। पावर हाउस के जेई अशोक कुमार ने बताया कि बढ़ते तापमान का सीधा असर ट्रांसफार्मरों पर पड़ रहा है। ट्रांसफार्मर का तापमान कई बार 70 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है।

ऐसी स्थिति में ट्रांसफार्मर को ठंडा रखने के लिए दो बड़े कूलर लगाए गए हैं, साथ ही झरने जैसी कूलिंग व्यवस्था भी की गई है। इससे ट्रांसफार्मर का तापमान नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। जेई अशोक कुमार के अनुसार, बिजली व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना इस समय सबसे बड़ी चुनौती है। विभाग का स्टाफ हर आधे घंटे में ट्रांसफार्मर के तापमान की मॉनिटरिंग कर रहा है। तापमान बढ़ने पर तुरंत कूलिंग व्यवस्था को और तेज किया जाता है ताकि किसी प्रकार की तकनीकी खराबी न आए और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली मिलती रहे।

बढ़ती बिजली मांग को देखते हुए इस वर्ष 40 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर भी स्थापित किया गया है। इससे ओवरलोडिंग की समस्या में काफी राहत मिलने की उम्मीद है। पावर हाउस को दो स्त्रोतों से बिजली आपूर्ति मिलती है, जिसमें एक सरोजिनी नगर और दूसरा 400 केवी सोनिक पावर हाउस शामिल है।

वर्तमान समय में जिले में 400 से 500 एम्पियर तक बिजली की जरूरत पड़ रही है, लेकिन आवश्यकता के अनुरूप सप्लाई नहीं मिल पा रही है। इसके बावजूद विभाग लगातार प्रयास कर रहा है कि उपभोक्ताओं को कम से कम परेशानी हो और बिजली आपूर्ति सामान्य बनी रहे।

पिकअप गाड़ी के अंदर पड़ा मिला युवक का शव मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सोहरामऊ थाना क्षेत्र में मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब लखनऊ कानपुर नेशनल हाइवे स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास खड़ी एक पिकअप गाड़ी के अंदर युवक का शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।मृतक की पहचान चौपई गांव निवासी संतोष कुमार पुत्र ठाकुर प्रसाद के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि संतोष कुमार पिछले कई महीनों से सोहरामऊ के बीकमऊ गांव में अपने रिश्तेदारों के यहाँ रह रहा था। युवक का शव मिलने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंच गए, जिससे परिवार में कोहराम मच गया।परिजनों की सूचना के आधार पर सोहरामऊ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

पत्नी के मायके जाने से हुआ आहत पति ने फांसी पर झूलकर दे दी अपनी जान

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है. पत्नी के मायके जाने से नाराज और मानसिक रूप से परेशान युवक ने अपने ही घर में फांसी लगाकर जान दे दी. घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया है, जबकि मृतक के तीन मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के महमदाबाद गांव निवासी संदीप 26 वर्ष पुत्र मुनगु के परिजनों ने बताया कि घटना से पहले घर में किसी को भी किसी अनहोनी की आशंका नहीं थी.

और संदीप का कुछ दिन पहले अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था. विवाद के बाद पत्नी नाराज होकर अपने मायके चली गई थी. पत्नी के चले जाने के बाद से संदीप लगातार परेशान चल रहा था और खुद को अकेला महसूस कर रहा था.और वो शराब का सेवन कर रहा था.

इसी मानसिक तनाव के चलते रविवार शाम संदीप ने अपने घर के आंगन में कुंडे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना के समय घर के अन्य सदस्य बाहर थे.

जब काफी देर तक संदीप के मकान का मुख्य दरवाजा नहीं खुला, तो परिजनों को शक हुआ. इसके बाद आसपास के लोग इकट्ठा हुए और फिर पड़ोसी ने अपनी छत से देखा. अंदर का दृश्य देखकर सभी सन्न रह गए.घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची.पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को फंदे से उतारकर कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया पुलिस ने परिजनों से पूरे मामले की जानकारी ली.वही मृतक की पत्नी को घटना की सूचना दी गई.सूचना मिलते ही पत्नी रजनी,बड़ी बेटी अदिति,दो मासूम बेटे अभिषेक, आसू समेत पूरे परिवार का रो रोकर बुरा हाल है।घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है और लोग परिवार को ढांढस बंधाने की कोशिश कर रहे हैं।

वर्तमान परिवेश में ऊर्जा संकट एक वैश्विक समस्या बनकर उभरा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के लिए वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए हैं। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में जो निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, उसने इस विषय को महज एक प्रशासनिक चर्चा से उठाकर हर घर के बजट को झकझोरने वाला एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना दिया है। इस संकट से भारत भी अछूता नहीं हैं। भारत को अगर अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो उसे अपने संसाधनों की सीमाओं के भीतर ऊर्जा के उत्पादन, भंडारण और उसके उपयोग की पूरी व्यवस्था का पुनर्गठन करना होगा। इसके लिए देश के पास कई ठोस और दूरगामी विकल्प मौजूद हैं, जो हमें एक आयातक देश से बदलकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकते हैं। चूंकि भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। ऐसे में क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना कई मायनों में हितकारी साबित हो सकता है। भारत का तेल परिदृश्य केवल नए तेल कुओं को खोजने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कच्चे तेल पर से अपनी निर्भरता को घटाने यानी ऊर्जा संरक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

ऊर्जा सुरक्षा : आत्मनिर्भरता ही है विकल्प

विश्लेषण

डॉ. चंद्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के दृष्टिगत वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए हैं। सदी के सबसे बड़े आर्थिक और औद्योगिक बदलाव के दौर से गुजर रहे भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा महज एक नीतिगत शब्द नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता, आर्थिक संवृद्धि और करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर से जुड़ा बुनियादी सवाल है। पारंपरिक तौर पर जब भी ऊर्जा सुरक्षा की बात आती है, तो हमारा ध्यान तुरंत कच्चे तेल के आयात को कम करने या खाड़ी देशों के अलावा अन्य देशों से आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चला जाता है, लेकिन वैश्विक भू-राजनीति की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों के बीच, आयात का रुख बदलना एक तात्कालिक मरहम तो हो सकता है, स्थायी इलाज नहीं।

वर्तमान परिवेश में हमें यह तथ्य स्वीकार करना होगा कि ऊर्जा संकट एक वैश्विक संकट है। इस संकट से उबरने के लिए आने वाले समय में हमें दीर्घकालीन योजनाओं के अंतर्गत नए विकल्पों की तलाश के साथ-साथ ऊर्जा संरक्षण जैसे उपायों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इस ऊर्जा संकट को पश्चिम एशिया के संघर्ष ने और भी बढ़ा दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के दृष्टिगत वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए गए हैं। सदी के सबसे बड़े आर्थिक और औद्योगिक बदलाव के दौर से गुजर रहे भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा महज एक नीतिगत शब्द नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता, आर्थिक संवृद्धि और करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर से जुड़ा बुनियादी सवाल है। पारंपरिक तौर पर जब भी ऊर्जा सुरक्षा की बात आती है, तो हमारा ध्यान तुरंत कच्चे तेल के आयात को कम करने या खाड़ी देशों के अलावा अन्य देशों से आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चला जाता है, लेकिन वैश्विक भू-राजनीति की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों के बीच, आयात का रुख बदलना एक तात्कालिक मरहम तो हो सकता है, स्थायी इलाज नहीं।

व्यवस्था का पुनर्गठन जरूरी

भारत को अगर अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो उसे अपने संसाधनों की सीमाओं के भीतर ऊर्जा के उत्पादन, भंडारण और उसके उपयोग की पूरी व्यवस्था का पुनर्गठन करना होगा। इसके लिए देश के पास कई ठोस और दूरगामी विकल्प मौजूद हैं, जो हमें एक आयातक देश से बदलकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकते हैं। भारत के लिए सबसे क्रांतिकारी और दूरगामी विकल्पों में से एक हरित हाइड्रोजन है। पानी के अणुओं को सौर या पवन ऊर्जा की मदद से तोड़कर बनाई जाने वाली यह गैस शून्य कार्बन उत्सर्जन करती है। भारत ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह भारी उद्योगों, जैसे इस्पात, सीमेंट और शोधन शालाओं तथा लंबी दूरी के परिवहन जैसे ट्रक, ट्रेन और जहाजों को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त करने का एकमात्र व्यावहारिक विकल्प है, जहां सीधी बिजली या बैटरी काम नहीं आ सकती। चूंकि भारत में सौर ऊर्जा की प्रचुरता है, इसलिए हम दुनिया में सबसे सस्ती हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने की क्षमता रखते हैं। यह न केवल हमारी घरेलू फैक्ट्रियों को चलाएगी, बल्कि भविष्य में भारत को ऊर्जा निर्यातक देशों की कतार में खड़ा कर सकती है।इसके साथ ही, भारत ने सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, लेकिन प्रकृति पर निर्भर होने के कारण ये स्रोत चौबीसों घंटे बिजली नहीं दे सकते। इस चुनौती से निपटने और नवीकरणीय ऊर्जा को देश की मुख्यधारा बनाने के लिए हमें पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज जैसी तकनीकों पर ध्यान देना होगा। यह एक विशाल प्राकृतिक बैटरी की तरह काम करता है। साथ ही, निरंतर आपूर्ति के लिए परमाणु ऊर्जा एक सुरक्षित और स्वच्छ विकल्प है। हमें अपने घरेलू थोरियम आधारित परमाणु कार्यक्रम को गति देनी होगी ताकि कोयले पर निर्भरता को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां हर साल लाखों टन कृषि अवशेष और शहरों में ठोस कचरा पैदा होता है।

हमें ये करने होंगे उपाय

- भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए हमें एक मिश्रित मॉडल अपनाना होगा।
- सौर, पवन, परमाणु, जैव-ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन से मजबूत तंत्र बनाएं।
- कचरे से गैस, धूप से बिजली और पानी से हाइड्रोजन निकालेंगे और अपनी गाड़ियां स्वदेशी बैटरियों से दौड़ाएंगे तो भारत की ऊर्जा संप्रभुता सच होगी।

बायोगैस बनाने के संयंत्र

इन्हें अभिशाप मानने के बजाय ऊर्जा के स्रोत में बदलना भारत के लिए सबसे आसान विकल्प है। सतत योजना के तहत कचरे और गोबर से संपीडित बायोगैस बनाने के संयंत्र देश भर में लगाए जा रहे हैं। यह गैस सीधे प्राकृतिक गैस का स्थान ले सकती है। इससे न केवल शहरों का कचरा साफ होता है और किसानों की आय बढ़ती है, बल्कि देश के भीतर ही गैस का एक बड़ा भंडार तैयार हो जाता है, जो सीधे हमारी परिवहन व्यवस्था को गति देता है। सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों का घरेलू बिजली पर स्थानांतरित होना भारत की कच्चे तेल पर निर्भरता को सीधे चोट करता है। विद्युत वाहन क्रांति इसमें बड़ी भूमिका निभा रही है। दोपहिया और तिपहिया वाहनों के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही, लचीला ईंधन तकनीक एक बेहतरीन विकल्प है। एथेनॉल को पेट्रोल में बीस प्रतिशत तक मिलाने का लक्ष्य भारत तेजी से हासिल कर रहा है। चूंकि एथेनॉल देश के भीतर गन्ने और खराब अनाज से बनता है, इसलिए परिवहन में इसका बढ़ता उपयोग विदेशी ईंधन की जरूरत को घटाता है। ऊर्जा सुरक्षा का एक नियम यह भी है कि जितनी ऊर्जा बचाएंगे, उतनी ही कम ऊर्जा हमें बनानी पड़ेगी।

बायोगैस बनाने के संयंत्र

भारत ने उजाला योजना के जरिए दुनिया का सबसे बड़ा ऊर्जा दक्षता कार्यक्रम चलाया है। अब समय इसे अगले स्तर पर ले जाने का है, जिसके तहत मापन प्रणालियों के जरिए बिजली की बर्बादी को रोका जा सकता है और मांग के अनुसार आपूर्ति को वास्तविक समय में नियंत्रित किया जा सकता है। इसके अलावा नए बनने वाले व्यावसायिक और आवासीय भवनों में ऐसी रूपरेखा को अनिवार्य करना होगा जो प्राकृतिक रोशनी और हवा का अधिकतम उपयोग करें, जिससे वातानुकूलन की मांग खुद-ब-खुद कम हो जाए।वर्तमान नीतियां और तकनीकी नवाचार यह भरोसा जगाते हैं कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और आने वाले दशक में हम ऊर्जा के मामले में न सिर्फ सुरक्षित होंगे, बल्कि आत्मनिर्भरता के एक नए युग का सूत्रपात करेंगे।

क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना लाभकारी

आर्थिकी

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में इस समय एक मूक क्रांति चल रही है। दुनिया का सबसे बड़ा कोयला उपभोक्ता और उत्सर्जक देश चीन, अपने पुराने और गहरे कोयला भंडारों से ऊर्जा निचोड़ने की एक बेहद आधुनिक तकनीक पर काम कर रहा है। हाल ही में चीनी सरकारी ऊर्जा कंपनियों ने गहरी कोयला परतों में फंसी मीथेन गैस को निकालने के लिए बड़े पैमाने पर क्षैतिज ड्रिलिंग का व्यावसायिक इस्तेमाल शुरू किया है। इस तकनीक ने न केवल चीन के घरेलू गैस उत्पादन को बढ़ावा दिया है, बल्कि पूरी दुनिया के ऊर्जा विशेषज्ञों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या भारत को भी इस दिशा में गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है?

चीन अपना रहा कोल रॉक गैस तकनीक

पारंपरिक रूप से कोयले की परतों से जो गैस निकाली जाती है, उसे कोलबेड मीथेन कहा जाता है। भारत और चीन दोनों ही सालों से उथली खदानों से कोलबेड मीथेन निकाल रहे हैं। लेकिन चीन ने हाल ही में जिस तकनीक पर महारत हासिल की है, उसे कोल रॉक गैस कहा जा रहा है। ओर्डोस बेसिन के दाजी क्षेत्र में इसके बेहद सफल परिणाम मिले हैं, और चीन ने वहां सैकड़ों कुएँ खोदकर अरबों क्यूबिक मीटर गैस का उत्पादन शुरू कर दिया है। भारत वर्तमान में अपनी जरूरत का लगभग 50% प्राकृतिक गैस आयात करता है। लिक्विफाइड नेचुरल गैस के अंतरराष्ट्रीय दामों में उतार-चढ़ाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डालता है। चीन की तरह भारत के पास भी कोयले का विशाल भंडार है। इसलिए, भारत के लिए क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना कई मायनों में लाभकारी साबित हो सकता है। भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। दामोदर घाटी (झारखंड-पश्चिम बंगाल), सोन घाटी (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) और गोदावरी घाटी (आंध्र प्रदेश-तेलंगाना) में गहरे कोयले के ऐसे ब्लॉक मौजूद है, जहां पारंपरिक खनन व्यावहारिक या आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है। क्षैतिज ड्रिलिंग तकनीक के माध्यम से इन दुर्गम परतों से अरबों घन मीटर मीथेन गैस निकाली जा सकती है, जिससे भारत की गैस-आधारित अर्थव्यवस्था के सपने को उड़ान मिलेगी। भारत ने 2030 तक अपनी प्राथमिक ऊर्जा टोकरी में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को मौजूदा 6.5% से बढ़ाकर 15% करने का लक्ष्य रखा है। यदि भारत घरेलू स्तर पर कोल रॉक गैस का उत्पादन शुरू कर देता है, तो उर्वरक उद्योग, सीएनजी वाहनों और पाइप्ड नेचुरल गैस के लिए विदेशों पर निर्भरता बेहद कम हो जाएगी। इससे विदेशी मुद्रा भंडार की भारी बचत होगी।

भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। दामोदर घाटी, सोन घाटी और गोदावरी घाटी (आंध्र प्रदेश-तेलंगाना) में गहरे कोयले के ऐसे ब्लॉक मौजूद हैं, जहां पारंपरिक खनन व्यावहारिक या आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है।

मीथेन गैस को बाहर निकालने पर सुरक्षा

भारतीय कोयला खदानों, विशेषकर झारखंड के झरिया और रानीगंज क्षेत्रों में, भूमिगत आग और मीथेन गैस के रिसाव के कारण होने वाले विस्फोट एक पुरानी समस्या रही है। यदि कोयला निकालने से पहले ही क्षैतिज ड्रिलिंग के जरिए उस क्षेत्र की मीथेन गैस को खींच लिया जाए तो खदानों के भीतर विस्फोट का खतरा लगभग शून्य हो जाता है। यह भारतीय खनिकों की सुरक्षा के लिए एक क्रांतिकारी कदम होगा। मीथेन एक बेहद खतरनाक ग्रीनहाउस गैस है, जो कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में वातावरण को कई गुना तेजी से गर्म करती है। इस गैस को क्षैतिज ड्रिलिंग से सुरक्षित निकालकर ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने से भारत को अपने नेट-जीरो लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी।चीन की सफलता यह साबित करती है कि यदि सरकारी नीतियों का समर्थन हो, तो भूवैज्ञानिक चुनौतियों को पार किया जा सकता है। भारत को भी इस दिशा में एक सोची-समझी रणनीति अपनानी होगी। आवश्यकतानुसार वैश्विक ऊर्जा दिग्गजों को भारत में आमंत्रित किया जाना चाहिए, ताकि देश में तकनीक का हस्तांतरण हो सके। महानदी या दामोदर बेसिन के कुछ चुनिंदा ब्लॉकों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुनकर वहां परीक्षण शुरू किए जाने चाहिए। चीन द्वारा कोयले की गहरी परतों में क्षैतिज ड्रिलिंग का सफल उपयोग यह दिखाता है कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा केवल नए संसाधनों को खोजने में नहीं, बल्कि मौजूदा संसाधनों के स्मार्ट दोहन में है। भारत अपने कोयला भंडारों को केवल 'प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन' के रूप में नहीं देख सकता। यदि सही नीति, विदेशी तकनीक और घरेलू इच्छाशक्ति का समन्वय हो, तो भारत भी अपनी गहरी कोयला खदानों से स्वच्छ ऊर्जा का अकूत भंडार निकाल सकता है। चीन के इस कदम से सीख लेते हुए भारत को बिना देर किए इस दिशा में अपने कदम बढ़ा देने चाहिए, क्योंकि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता ही भविष्य की वास्तविक संप्रभुता है।

ठठिया धाम दरबार में भक्तों पर बरसती है प्रभु-गुरु कृपा पूर्ण होती हैं सभी मनोकामनाएं

लेखक - धर्मेन्द्र कुमार सिंह

हिन्दी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

पतित पावनी तरणि तारिणी कल कल निनादिनी भागीरथी मां गंगा के किनारे स्थित इत्र नगरी के नाम से देश विदेश में सुविख्यात कन्नौज नगर की परिधि में मात्र 5 किमी पर स्थित श्री अखिलेश्वरनाथ ठठिया धाम आश्रम भक्ति शक्ति धर्म आध्यात्म साधना की पावन उर्वरा धाराधाम है ।जहां सिद्ध संतो की साधना से शक्ति भक्ति का केंद्र बना है ।इसी ठठिया गांव की पावन धरा पर सिद्ध महापुरुष संत ठठिया वाले गुरुजी महाराज श्री श्री 1008 महात्मा देवशरण जी महाराज का पदार्पण (जन्म) हुआ जिन्होंने तप साधना के द्वारा इस पावन भूमि को जाग्रत कर पुण्य पवित्र और शक्तिमान बना दिया ।देश दुनिया में लाखों की संख्या में भक्त इस दर चौखट से जुड़े है ।

ठठिया गांव का नाम गुरुजी के कारण ही देश विदेश में विख्यात है। गुरु महाराज की कृपा आशीर्वाद से अखिलेश्वरनाथ ठठिया धाम आश्रम से भक्तों को अदभुद लाभ प्राप्त हुए और हो रहे हैं। यहां गुरु महाराज आश्रम पर जैसे दरबार लगाकर भक्तों की समस्याओं का समाधान करते थे। वैसे ही आज भी दरबार लगता है । गुरु महाराज की साधना सेवा समर्पण नियम संयम से आश्रम में विराजमान श्री अखिलेश्वर नाथ महादेव की अनन्त करिश्माई शक्तियां भी गुरुदेव को प्राप्त हुई । जिसके द्वारा महाराज जी दीन दुखियों और परेशान लोगों का भला और कल्याण करते रहे गुरुदेव महाराज की कृपा दृष्टि जिसपर भी पड़ी वह बेहाल से निहाल हो गया । भक्तों की हर एक मनोकामनाएं ठठिया धाम पर पूरी होती हैं और हर समस्या परेशानी से निजात मिलता है ऐसा आज भी प्रत्यक्ष देखने और सुनने को मिलता है ।ठठिया धाम से लाखों भक्त आज भी पूर्ण आस्था और विश्वास के साथ जुड़े है । जहां दरबार में हाजिरी लगाने वाले सभी भक्तों की सभी मनोकामनाएं सिद्ध और पूर्ण होती रही है और आज भी होती है ।यहां धाम पर संतो की तप साधना और चरण भरण से भक्तों को सुख शांति और शक्ति भक्ति की अनुभूति प्राप्त होती है। इस धाम की पावन भूमि तप शक्ति भक्ति धर्म आध्यात्म साधना आराधना का केंद्र है जिससे लाखों भक्तों की श्रद्धा विश्वास आज भी जीवंत है ।

ठठिया धाम आश्रम और ब्रम्हलीन श्री श्री 1008 पूज्य पाद महात्मा देवशरण जी महाराज (गुरु जी) का संक्षिप्त जीवन परिचय है - कन्नौज मुख्यालय से मात्र 5 किमी पर स्थित ठठिया गांव में एक ब्राह्मण कुल परम पूज्य स्व बाबूराम दीक्षित पिता श्री और परम पूज्यनीया स्व प्रेमलता देवी जी माता श्री दोनों महान भक्त थे । जो प्रभु की भक्ति साधना में संयम नियम से गृहस्थ जीवन यापन कर रहे थे । जिन्होंने घर को ही साधना उपासना का मंदिर बना लिया और पूजा भक्ति साधना में समर्पित हो गए। इन दोनों पुण्य आत्माओं के जीवन में तप साधना त्याग भक्ति पूजा आराधना के फलीभूत होने का वह मंगल समय आया जब एक स्वप्न के माध्यम से अति तेज पुंज तेजस्वी तपस्वी शक्तिपुंज एक हांथी पर सवार होकर दोनों पति पत्नी (दंपत्ति) के समक्ष प्रकट हुआ साक्षात्कार दिव्य संत शक्ति के हुए जिन्होंने सुफलता का आशीर्वाद देते हुए एक अलौकिक परम भक्त साधक

धमानुरागी पुत्र रत्न प्राप्त होने का आशीर्वाद देकर शक्ति पुंज अंतर्ध्यान हो गया । और समय व्यतीत हुआ और घर में एक वैसे ही पुत्र का जन्म हुआ जैसा स्वप्न में शक्ति पुंज सन्त ने कहा था ।दोनों दंपति ने पुत्र का नामकरण देवशरण के नाम से किया । जिसका बाल्यावस्था और बचपन दिव्यता चमत्कारों से भरा था । जिसमें अलौकिक शक्तियां विद्यमान थी और स्पष्ट झलक रही थीं । घर परिवार आध्यात्मिक कल्याण साधना में डूबा रहा । बालक देवशरण ने पूजा भक्ति तप साधना आराधना और आध्यात्मिक शिक्षा दीक्षा के अलावा भौतिक शिक्षा दीक्षा भी अर्जित की और पीडब्लूडी विभाग में सर्विस ज्वाइन की और गृहस्थ जीवन परिवार का पालन पोषण करते रहे ।उनका गृहस्थ जीवन भी प्रेम धर्म और आध्यात्म साधना आराधना भाव भक्ति तप त्याग तपस्या से परिपूर्ण रहा ।

प्रभु कृपा और गुरु पिता माता के आशीष से जिनके एक शक्ति स्वरूपा कन्या और एक दिव्य पुत्र का जन्म हुआ जिसका नामकरण (सौरभ) किया गया । सौरभ जी ने भी सुध संभालते ही घर की परंपरानुसार संस्कारों में डूब गए और पूजा पाठ भक्ति धर्म साधना आध्यात्म की राह पकड़ी और कुंडलियों चक्रों को जाग्रत कर तमाम अलौकिक शक्तियों को कम समय में ही हासिल कर रिद्धियां सिद्धियां प्राप्त कर ली।

सिद्ध परम संत देवशरण जी महाराज ठठिया वाले गुरुजी महाराज ने आश्रम धाम में विराजमान श्री अखिलेश्वरनाथ महादेव की आज्ञा से सरकारी नौकरी को त्यागकर अपने जीवन को उनकी चरण सेवा में समर्पित करते हुए समाजसेवा और लोककल्याण के लिए समर्पित कर दिया। भगवान शिव की असीम कृपा से गुरुदेव की महिमा दिनों दिन देश विदेश में बढ़ती रही ठठिया धाम आश्रम में भक्तों का तांता लगने लगा लाखों की संख्या में भक्त जुड़ते गए धाम पर गुरु महाराज के चरण शरण में आने वाले भक्तों ने अनेकानेक चमत्कार देखे जिनकी मनोकामनाएं पूर्ण हुई है। प्रभु कृपा और गुरु आशीष से सैकड़ों माताओं की सुनी गोदें संतानों की किलकारियों से भरी संतान सुख प्राप्त हुआ। धाम पर जाने वाले संतानहीनों की आज भी इस दर और गुरदेव एवं महादेव की कृपा से गोदें आज भी भारती है। यह अतिशयोक्ति नहीं सत्य है । ठठिया धाम आश्रम पर हजारों की भीड़ गुरुदेव महाराज के दर्शन और दरबार में उमड़ती थी और आज भी उमड़ती है ।

गुरुदेव देवशरण जी महाराज (ठठिया वाले गुरुजी) की स्वयं मुंह जुबानी बात है जो भक्तों को उन्होंने बताया कि एक दिन माता सीता ने स्वप्न में उन्हें आदेशित किया कि जानकी कुण्ड परियर पहुंचे और वहां की हालत देखे व्यवस्था संभाले और सुधारें । माता सीता के आदेश पर गुरुजी जानकीकुंड परियर पहुंचे और यथा निर्देश उन्होंने व्यवस्था अपने हाथ में संभाली और मंदिर का जीर्णोद्धार के साथ साथ करोड़ों की लागत और भक्तों के सहयोग से एक विशाल भव्य जानकी मंदिर का निर्माण कराया और मां जानकी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कराई ।इस दिव्य और भव्य प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के हजारों क्षेत्र जिला सहित प्रदेश देश और विदेश के भी लोग साक्षी बने । इसी क्रम में माननीय चीफ जस्टिस दिलीप गुप्ता जी के आग्रह अनुग्रह पर गुरुदेव महाराज ने वाल्मिक आश्रम स्थित जानकी कुण्ड मंदिर के महंत पद को संभाला ।ठठिया वाले गुरुदेव के महंत पद पर आसीन होते ही तमाम बिगड़ी व्यवस्था सुव्यवस्था में परिवर्तित हुई और लोगों की आस्था भी बढ़ने लगी । आज इस वाल्मिक आश्रम जानकी कुण्ड मंदिर परियर से भी गुरुदेव महाराज का सारा भक्त समाज जुड़ा है इस पौराणिक रामायण कालीन स्थल से भी अब लाखों भक्तों की आस्था जुड़ गई है ।हालांकि गुरुदेव महाराज के फरवरी 24 को त्रयोदशी के दिन ब्रम्हमुहूर्त में दरबार में आसान पर बैठे बैठे गोलोकवासी ब्रम्हलीन हो गए।उनके बाद से उनके स्थान पर उनके सुपुत्र पूज्य सौरभ जी महाराज महंत अखिलेश्वरनाथ महादेव ठठिया धाम आश्रम के साथ साथ वाल्मिक आश्रम जानकी कुण्ड परियर उन्नाव की भी व्यवस्था बखूबी निभा एवं भलीभांति पिता श्री के कदमों चिन्ह पर चलकर सम्भाल रहे है ।

ठठिया वाले गुरुजी महाराज जी की अपने पुत्र शिष्य सौरभ महाराज पर असीम कृपा और आशीर्वाद आज भी जीवंत है ।जिसके माध्यम से ठठिया धाम के सभी भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है । पूज्य सौरभ महाराज जी भी अपने पिता श्री गुरु महाराज के पद चिन्हों पर चलकर भक्तों का कल्याण कर रहे है ।ठठिया धाम आश्रम पर प्रतिदिन दरबार लगाते है और भक्तों की समस्याओं का समाधान प्रभु और गुरु कृपा से करते आ रहे है।ठठिया धाम आश्रम पर दरबार में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में विभिन्न समस्याओं से पीड़ित भक्त समाधान के लिए आते है जिनका समाधान हो रहा है । आज भी निसंतान दंपत्ति धाम पर दरबार में कुलदीपक की उम्मीदें लेकर जाते है और प्रभु एवं गुरु कृपा से सुनी गोद भारती है ।

ठठिया वाले गुरुजी महाराज के सुपुत्र एवं शिष्य पूज्य श्री सौरभ जी महाराज तेज पुंज के अंश स्वरूप परम तपस्वी है ।जिनका जन्म 14 अगस्त 1976 ठठिया धाम आश्रम की पावन धरा धाम में हुआ। जिन्होंने भी तप साधना और गुरु पिता श्री के साथ साथ देवाधिदेव महादेव अखिलेश्वरनाथ जी की कृपा आशीर्वाद से दूरश्रवण और वाक सिद्धि प्राप्त की है । पूज्य सौरभ जी महाराज एक सच्चे साधक और ज्ञान ध्यान योगी है ।उन्होंने तपोबल से विशिष्ट सिद्धियों की प्राप्ति की है। इन्हें मनस्विता सिद्धि प्राप्त है ।जिसके द्वारा किसी के मन को पढ़ने में समर्थ अर्थात (अन्तयार्मी)सिद्धि है । आपने तपोबल से कुंडलियों को जाग्रत किया है जिनमें से तीन चक्र कुंडलियां हर क्षण जागृत अवस्था में रहती है । आपको हर स्थिति परिस्थिति समस्या को भांप लेने की अलौकिक शक्तियां और क्षमता है । आप अपने भक्तों को आने वाली आपत्ति विपत्ति और अनहोनी से पहले ही सावधान कर देते है। इन्हें पूर्व और दिव्यदर्शी भी कहा जाता है ।दूरदृष्टा और विशिष्ट विद्याओं शक्तियों के पूज्य सौरभ जी महाराज धनी है । सहज सरल स्वभाव सादगी भरा वसन और सादा शुद्ध भोजन और मधुर मीठी वाणी प्रेम स्नेह अपनत्व दया कृपा भक्तों को बहुत भाटी है और असहज अपनी ओर आकर्षित करती है। पूज्य सौरभ जी महाराज ठठिया धाम आश्रम पर प्रतिदिन दरबार लगाते है ।जहां भक्तों का तांता सुबह से देर शाम तक लगा रहता है।इसी क्रम में जानकी मंड मंदिर वाल्मिक आश्रम परियर में प्रति मंगलवार शाम 5 बजे से 7 बजे तक दरबार लगाकर भक्तों की समस्याओं का समाधान करते है । जिसके लिए कोई शुल्क या फीस नहीं होती है। समस्याओं के समाधान के लिए पूज्य सौरभ जी महाराज से ठठिया धाम आश्रम पर प्रतिदिन दरबार के समय मिला और समस्याओं का समाधान प्राप्त किया जा सकता है।

लेखक = वरिष्ठ पत्रकार चिंतक विचारक स्तंभकार आलोचक एवं टिप्पणीकार हैं।

संक्षेप

पुलिस ने दो चोरी का खुलासा किया

तीन शातिर चोर गिरफ्तार, गैंगेस्टर मुख्य आरोपी, हथियार और चोरी का सामान बरामद

अमेठी, थाना पीपरपुर पुलिस ने चोरी की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का घरेलू गैस सिलेंडर, दो बैटरे, पीतल का घंटा, चार सोलर पैनल, नकदी और दो अवैध तमंचे व कारतूस बरामद किए हैं।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान शैलेन्द्र यादव उर्फ सचिन यादव (22 वर्ष), आर्यन प्रताप (22 वर्ष) और शिव प्रताप सिंह उर्फ भोला सिंह (40 वर्ष) के रूप में हुई है। शैलेन्द्र यादव पूरे कुमार शाह मजरे भीमी थाना कोतवाली अमेठी का निवासी है, जबकि आर्यन प्रताप भीमी पश्चिम और शिव प्रताप सिंह इस्माइलपुर छोटा थाना पीपरपुर के रहने वाले हैं। अभियुक्तों की निशानदेही पर एक इंडेन गैस सिलेंडर, दो ओकाया कंपनी के बैटरे, पीतल का घंटा और 340 रुपये नकद बरामद हुए। शैलेन्द्र यादव के कब्जे से 315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस व 200 रुपये नकद मिले। आर्यन प्रताप के पास से 12 बोर का तमंचा, दो कारतूस व 250 रुपये बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त, मु0अ0सं0 3/26 से संबंधित चोरी गए चार सोलर पैनल भी बरामद हुए हैं।पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी शैलेन्द्र यादव एक शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ थाना मुंशीगंज में चोरी, गैंगेस्टर और आर्म्स एक्ट के तहत कई मुकदमे दर्ज हैं। आर्यन प्रताप और शिव प्रताप सिंह पर भी पीपरपुर थाने में चोरी व आबकारी अधिनियम के मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने सूर्यभान गौतम निवासी खंडहर थाना पीपरपुर के यहां 28-29 अप्रैल की रात हुई चोरी और किरण सिंह के यहां 14 दिसंबर 2025 को इस्माइलपुर छोटा में हुई चोरी का खुलासा किया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

20 हजार का इनामी गैंगेस्टर रोशन अहमद गिरफ्तार

पुलिस को मिली सफलता, 4 बाइक व मोबाइल बरामद

अमेठी , पुलिस ने 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत 20 हजार रुपये के इनामी गैंगेस्टर रोशन अहमद और उसके एक साथी को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिलें और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर मुसाफिरखाना पुलिस द्वारा की गई। गिरफ्तारी देर रात हुई जब मुसाफिरखाना पुलिस मंगलम इंटर कॉलेज अंडरपास के पास चेकिंग कर रही थी।सुलतानपुर की ओर से आ रहे दो बाइक सवार संदिग्धों को रोका गया। पूछताछ में चालक ने अपनी पहचान रोशन अहमद (26) पुत्र इन्तजार अहमद, निवासी भीखीपुर, थाना मुसाफिरखाना, और पीछे बैठे युवक ने आकाश गुप्ता (19) पुत्र राधेश्याम गुप्ता, निवासी गल्लामंडी के रूप में बताई।दोनों युवक स्प्लेंडर प्लस बाइक के दस्तावेज नहीं दिखा पाए। जांच में पता चला कि रोशन अहमद थाना मुसाफिरखाना के मु0अ0सं0 110/26 गैंगेस्टर एक्ट में वांछित था और उस पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

हुजूरपुर में चोरों का आतंक, एक माह में ताबड़तोड़ वारदातों से दहशत

थाना क्षेत्र में 1 माह में लगातार 4 स्थानों में हुई चोरी ,रायगढ़ बेहड़ा में लाखों की चोरी

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। 23 मई की रात ग्राम रायगढ़ बेहड़ा निवासी संजय कुमार सिंह के घर चोरों ने धावा बोल दिया। परिवार के लोग गर्मी और बिजली कटौती के चलते छत पर सो रहे थे। इसी बीच चोर घर में दाखिल हुए और लाखों रुपये के जेवरात व नगदी लेकर फरार हो गए। सुबह परिवार नीचे पहुंचा तो घर का सामान बिखरा पड़ा मिला और अलमारी खाली थी। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई ग्रामीणों में दहशत, रात में पहरा देने को मजबूर लोग लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में असुरक्षा की भावना गहराती जा रही है। लोग रातभर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। गांवों में अब एक ही सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है–आखिर चोर कब पकड़े जाएंगे और लोगों को राहत कब मिलेगी। ग्रामीणों की निगाहें अब पुलिस प्रशासन की कार्रवाई और घटनाओं के खुलासे पर टिकी हुई हैं।

दौलतपुर में एक ही रात दो घरों को बनाया निशाना

9 व 10 मई की रात ग्राम दौलतपुर में चोरों ने दो घरों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुत्ती सिंह के घर से नगदी, जेवरात और बर्तन चोरी कर लिए गए। वहीं उसी रात पड़ोसी हरिश्चंद्र के घर में भी चोरों ने हाथ साफ कर दिया। सूचना डायल 112 को दी गई, लेकिन पुलिस पहुंचने से पहले ही चोर फरार हो चुके थे।

भैसहा गांव में लगातार दो घरों में चोरी

13 व 14 मई की रात भैसहा गांव में चोरों ने दो घरों को निशाना बनाकर ग्रामीणों में दहशत फैला दी। विक्रम प्रसाद मिश्रा के अनुसार रात करीब एक से दो बजे के बीच चोर छत के रास्ते घर में घुसे और नगदी व कीमती सामान चोरी कर ले गए। उसी रात उनके चचेरे भाई बाबादीन मिश्रा के घर में भी चोरी की घटना हुई।

धुर्खी गांव में ताला तोड़कर चोरी, कई घर बने निशाना

16 और 17 मई की रात ग्राम धुर्खी में चोरों ने ताबड़तोड़ वारदातों को अंजाम दिया। कुलदीप सिंह उर्फ राजू सिंह ने बताया कि चोर कमरे और गोदरेज का ताला तोड़कर नगदी, जेवरात और अन्य सामान उठा ले गए। पड़ोसी संतराम के घर में भी चोरी का प्रयास किया गया, जबकि नोएडा में रह रहे उनके भाई अनिल सिंह के बंद कमरे का ताला तोड़कर भी चोरी की गई।

क्या बोले थाना अध्यक्ष

थाना अध्यक्ष हुजूरपुर शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि इस माह में दर्ज सभी चोरी के मुकदमों के खुलासे एवं चोरों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है और टीमों को लगाया गया है, लेकिन अभी तक पुलिस को सफलता नहीं मिल सकी।

उसरा इंटर कॉलेज में मेधावियों का भव्य सम्मान समारोह

छात्रों को देश निर्माण का दिया संदेश

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज। क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान उसरा इंटर कॉलेज, सोनारी चौराहा कैसरगंज में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट और विद्यार्थियों के उत्साह से गूंज उठा। समारोह को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्रबंधक बकाउल्ला ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के भारत का भविष्य हैं। देश की नई पीढ़ी शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान के क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि छात्र-छात्राएं पूरी लगन और मेहनत के साथ शिक्षा प्राप्त करें तो वे डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी बनकर देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार होगा जब देश की युवा शक्ति शिक्षा और संस्कारों के साथ आगे बढ़ेगी। नई पीढ़ी में देशभक्ति, अनुशासन और मेहनत का जज्बा दिखाई दे रहा है, जो भारत को विश्व पटल पर और अधिक मजबूत बनाएगा।प्रबंधक बकाउल्ला ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित न रहें, बल्कि समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य एक अच्छा इंसान बनना है, जो समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दे सके। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने भी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, समस्त स्टाफ, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। समारोह के अंत में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कैसरगंज में लगा मेगा हेल्थ कैंप, 50 से अधिक मरीजों का हुआ निःशुल्क परीक्षण

इमक्यूर फार्मा और शबनम हॉस्पिटल की पहल से लोगों को मिला स्वास्थ्य लाभ

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज कस्बे स्थित शबनम हॉस्पिटल में इमक्यूर फार्मा की ओर से एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त किया। स्वास्थ्य शिविर में हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, हाइपरटेंशन सहित कई महत्वपूर्ण जांचें पूरी तरह निःशुल्क की गईं। मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए समय-समय पर जांच कराने की सलाह भी दी गई। शिविर में डॉ. एजाज अली कादरी, डॉ. सतप्रकाश वर्मा एवं इमक्यूर फार्मा कंपनी के मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव परमहंस वर्मा ने मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया। विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में आयोजित इस शिविर में लगभग 50 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर शिविर का लाभ उठाया। इस मौके पर डॉ. महक सहित अस्पताल के एचओडी एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित जांच कराने के प्रति जागरूक भी किया गया। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित होते हैं।

जमुनहा में नया ट्रांसफार्मर लगाने की 9 माह पुरानी मांग पर नहीं हुआ अमल

केवलपुर में 6 दिन बाद बदला गया ट्रांसफार्मर, एक घंटे में फिर जला, लोगों में भारी आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। नगर पंचायत रुपईडीहा में बदहाल विद्युत व्यवस्था को लेकर लोगों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। एक ओर वार्ड संख्या 6 जमुनहा एवं घासियारन मोहल्ले में लंबे समय से नए ट्रांसफार्मर की मांग पूरी नहीं हो सकी है, वहीं दूसरी ओर वार्ड संख्या 3 केवलपुर में लगाया गया नया ट्रांसफार्मर एक घंटे के भीतर ही जल जाने से स्थानीय लोग परेशान हैं। जानकारी के अनुसार वार्ड संख्या 6 जमुनहा एवं घासियारन मोहल्ले में शनिवार रात लगभग 3 बजे तार जल जाने के कारण विद्युत आपूर्ति ठप हो गई थी। इससे करीब 1200 की आबादी पूरी रात भीषण गर्मी में परेशान रही। रविवार सुबह लगभग 11 बजे लाइनमैन सोनू सोनी के प्रयास से मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद विद्युत आपूर्ति बहाल हो सकी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन मोहल्लों की बिजली आपूर्ति स्टेशन रोड स्थित धर्मशाला के पास रखे ट्रांसफार्मर से होती है, जिसकी दूरी लगभग 800 मीटर है। लंबी दूरी के कारण तार अधिक गर्म होकर अक्सर टूट जाते हैं, जिससे क्षेत्र में बार-बार बिजली संकट उत्पन्न हो रहा है। समस्या के स्थायी समाधान के लिए भाजपा किसान मोर्चा रूपईडीहा मंडल अध्यक्ष भीमसेन मिश्रा, वार्ड संख्या 6 के सभासद मनोज प्रजापति तथा अन्य ग्रामीणों ने 24 सितंबर 2025 को आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर जमुनहा गांव में 250 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग की थी। शिकायत का पंजीकरण संख्या 40018025075475 बताया गया है। बताया जाता है कि विद्युत विभाग ने अपनी आख्या में भी स्वीकार किया था कि लंबी दूरी के कारण तार गर्म होकर टूट जाते हैं तथा क्षेत्र में नए ट्रांसफार्मर की आवश्यकता है। इसके बावजूद करीब 9 माह बीत जाने के बाद भी विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। भीमसेन मिश्रा एवं सभासद मनोज प्रजापति ने विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि आईजीआरएस शिकायत का शीघ्र संज्ञान लेकर जमुनहा गांव में नया ट्रांसफार्मर स्थापित कराया जाए, ताकि लोगों को गर्मी में राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो क्षेत्रवासी विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। उधर वार्ड संख्या 3 केवलपुर में भी विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। यहां पिछले छह दिनों से ट्रांसफार्मर जलने के कारण करीब 1000 की आबादी अंधेरे में रहने को मजबूर थी। स्थानीय लोगों के अनुसार छह दिन बाद नया ट्रांसफार्मर लगाया गया, लेकिन सप्लाई चालू होते ही लगभग एक घंटे के भीतर वह भी जल गया। वार्ड संख्या 3 के सभासद अशोक यादव एवं नगर पंचायत सुपरवाइजर संतोष वर्मा ने बताया कि केवलपुर क्षेत्र की विद्युत स्थिति बेहद दयनीय हो चुकी है। भीषण गर्मी में लोग बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं। इस संबंध में अवर अभियंता सहाबा शंभू दयाल ने बताया कि अत्यधिक गर्मी और क्षेत्र में अधिक लोड होने के कारण ट्रांसफार्मर पुनः जल गया। मामले से उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है तथा जल्द ही दूसरा ट्रांसफार्मर लगाकर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 38 वाहनों पर हुई कार्रवाई

यातायात पुलिस का लगातार अभियान जारी

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तथा वाहन चालकों को नियमों का पालन कराने के लिए यातायात पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी अभियान में नियमों का पालन न करने वाले 38 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। जिले में अवैध रूप से संचालित होने वाले स्टैंड, मोडिफाइड साइलेंसर लगाकर वाहन चलाना, मादक पदार्थ का सेवन कर वाहन चलाना प्रेशर हार्न के प्रयोग के विरुद्ध कार्यवाही को लेकर यातायात पुलिस का अभियान जारी है। यातायात प्रभारी राम प्रकाश यादव ने बताया कि शनिवार देर रात तक चेकिंग अभियान के दौरान मोडिफाइड साइलेंसर लगवा कर वाहन का संचालन करने वाले तीन ,प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने वाले 29 तथा नशे का सेवन कर वाहन चलाने वाले 6 टोटल 38 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई साथ ही उन्होंने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले 959 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की गई।उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्यवाही की जा रही है।

शांतिपूर्वक मनाएं बकरा ईद का त्यौहार: सीओ प्रद्धुम्न सिंह

थाना मोतीपुर में आयोजित हुई पीस कमेटी की बैठक

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। रविवार को थाना मोतीपुर परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित हुई बैठक की अध्यक्षता पुलिस क्षेत्राधिकारी मिहींपुरवा प्रद्युमन सिंह ने की। उन्होंने ने कहा कि बकरा ईद का त्यौहार हर्षो उल्लास और शांति के साथ मनाएं किसी भी प्रकार का वाद विवाद ना करें प्रतिबंधित पशु की कुबार्नी ना करें, उन्होंने मौके पर मौजूद दूर दराज से आए हुए लोगों से जानकारी ली जिस पर कई लोगों ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए सुझाव भी दिया। थाना अध्यक्ष आनंद चौरसिया ने कहा कि कुबार्नी के समय जो अवशेष बचे उसे गड्ढा खोदकर मिट्टी में नष्ट कर दे जिससे प्रदूषण ना फैले और किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना ना हो। बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रद्युमन सिंह, तहसीलदार धर्मेंद्र कुमार, थाना अध्यक्ष आनंद चौरसिया तथा मुस्लिम धर्मगुरु पूर्व प्रधान वर्तमान प्रधान संभ्रांत व्यक्ति व मीडिया कर्मी उपस्थित रहे।

मौजीपुरवा गांव में घर में घुसा तेंदुआ, तीन ग्रामीण घायल

कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग ने तेंदुए को किया रेस्क्यू

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। नदी की कछार से निकाल कर एक तेंदुआ सुबह ग्रामीण के घर में घुस गया जिसे कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग ने रेस्क्यू कर पिंजरे में कैद कर लिया वही तेंदुआ काफी देर तक ग्रामीणों और वन विभाग को छकाता रहा आखिर में रेस्क्यू के दौरान तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया वहीं प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक तेंदुआ भीड़ के बीचो-बीच में बने एक घर में घुस गया अगर वह एकाएक निकल आता तो दर्जनों लोगों को घायल कर देता वही तेंदुए ने तीन लोगों को घायल भी किया है।बहराइच वन प्रभाग के चकिया वन रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत जोगिनियां के मजरा मौजीपुरवा में रविवार सुबह एक तेंदुआ ग्रामीण के घर में घुस गया। तेंदुए के हमले में तीन ग्रामीण घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों ने कई घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद तेंदुए को पिंजरे में कैद कर लिया। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब सात बजे के आसपास मौजीपुरवा निवासी मोहम्मद अहमद के घर में अचानक तेंदुआ घुस गया। तेंदुए को देखकर घर के लोग शोर मचाते हुए बाहर निकल गए। घटना की जानकारी होते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। भीड़ को देखकर तेंदुआ घर के एक कमरे में छिप गया। तेंदुए को बाहर निकालने के प्रयास के दौरान उसने नसीम ,फजलू रहमान तथा जुबेर पर हमला कर दिया, जिससे तीनों घायल हो गए। ग्रामीणों ने घटना की सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पिंजरा व जाल लगाकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। पुलिस और वन कर्मियों ने भीड़ को मौके से हटाकर अभियान चलाया। कई घंटे की मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने तेंदुए को सुरक्षित रूप से पिंजरे में कैद कर लिया। रेस्क्यू अभियान में वन क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार साहू, वन दरोगा सोमाराम, जितेंद्र कुमार व प्रतीक कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य वन कर्मी मौजूद रहे। तेंदुए के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।प्रभारी वन क्षेत्राधिकारी चकिया अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रेस्क्यु के दौरान पकड़ा गया तेंदुआ डेढ़ वर्षीय मादा है जिसे स्वास्थ्य परीक्षण के बाद छोड़ा जाएगा।

24 घंटे से लापता किशोर का शव खेत में मिला

महिला सिपाही से लिपटकर रोईं मां; भीड़ संभालने तीन थानों की पुलिस पहुंची

अमन लेखनी समाचार

मतक शिवम

अमेठी, 24 घंटे से लापता किशोर का शव खेत में मिला है। रविवार सुबह शौच के लिए खेत में गए ग्रामीण ने देखा। उसने तत्काल मृतक के बड़े भाई को सूचिता किया। इसके बाद शव को घर लाया गया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष विवेक वर्मा और एसओजी टीम पहुंच गई। सैकड़ों ग्रामीण भी मौके पर इकट्ठा हो गए। इसे देखते ही तीन थानों की पुलिस फोर्स बुलाई गई। स्पेशल टास्क फोर्स और फोरेंसिक टीम ने सबूत इकट्ठा किए।घटना रविवार सुबह करीब 6 बजे शुक्ल बाजार थाना क्षेत्र के बना का पुरवा की है। मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानिए पूरा मामलाङ्क मृतक की पहचान शिवम पिता रामबरन निवासी बना का पुरवा शुक्ल बाजार के रूप में हुई है। शनिवार शाम करीब 7.30 बजे से किशोर घर से लापता था। परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे। रविवार सुबह ग्रामीण उदयराज खेत में शौच के लिए गया था वहीं पर उसने शिवम को हकीम के खेत में पड़ा देखा। जो मृतक के घर से करीब 500 दूरी पर स्थित है। ग्रामीण ने घटना की सूचना मृतक शिवम के बड़े भाई अरविंद को दी। इसके बाद तत्काल मौके पर परिजन पहुंच गए। ग्रामीणों की मदद से शव को घर पर लाया गाया।प्रधान प्रतिनिधि ने पुलिस को घटना की सूचना पुलिस को दीप्रधान प्रतिनिधि हैदर मुस्तकीम ने पुलिस को घटना के बारे में बताया। मौके पर थानाध्यक्ष विवेक वर्मा पुलिस फोर्स और एसओजी टीम के साथ पहुंच गए। इसके कुछ देर बाद पहुंची एसटीएफ और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर सबूत जुटाए।

भीड़ को नियंत्रित करने तीन थानों की फोर्स बुलाई गईइस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए।

सई नदी में डूबा युवक

बाबा बेलखरनाथ धाम में स्नान के दौरान हादसा, तलाश जारी

अमन लेखनी समाचार

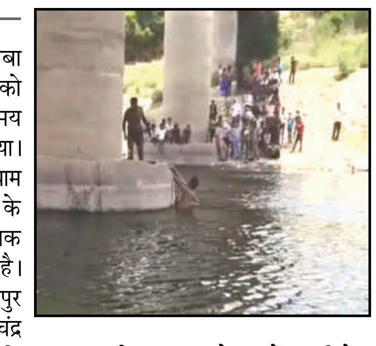

प्रतापगढ़ ,बाबा बेलखरनाथ धाम में रविवार को सई नदी में स्नान करते समय एक 18 वर्षीय युवक डूब गया। युवक दर्शन-पूजन के लिए धाम आया था। घंटों की तलाश के बावजूद युवक का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। कंधई थाना क्षेत्र के नारायणपुर चौबेपुर गांव निवासी लालचंद्र गौतम के पुत्र नितिन (18) रविवार सुबह करीब 11:30 बजे धाम में जलाभिषेक करने पहुंचे थे। परंपरा के अनुसार, वह पहले सई नदी में स्नान करने गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नहाते समय नितिन पुल के पास गहरे पानी में चले गए और संतुलन बिगड़ने से डूबने लगे। नितिन ने डूबते समय मदद के लिए शोर मचाया, जिसे सुनकर आसपास मौजूद श्रद्धालु और दुकानदार मौके पर पहुंचे। हालांकि, नदी के तेज बहाव और गहराई के कारण वह कुछ ही पलों में पानी में ओझल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही दिलीपपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल स्थानीय गोताखोरों की मदद से बचाव अभियान शुरू कराया। पुलिस ने नदी में जाल डालकर युवक की तलाश की, लेकिन देर शाम तक कोई सफलता नहीं मिल पाई। स्थानीय लोगों ने बताया कि धाम पर भारी भीड़ के बावजूद खतरनाक घाटों पर न तो बैरिकेडिंग की गई है और न ही चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। उनका आरोप है कि इस लापरवाही के कारण ऐसे हादसे बार-बार होते रहते हैं।पुलिस ने जानकारी दी कि अतिरिक्त गोताखोरों को बुलाया जा रहा है

किशोरी मोबाइल टॉवर पर चढ़ी

प्रेमी पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग, दो घंटे बाद सुरक्षित उतरी

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, लालगंज कोतवाली क्षेत्र में शनिवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक किशोरी अपने प्रेमी पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग को लेकर गांव के पास लगे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गई। टॉवर पर किशोरी को चढ़ा देख इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। करीब दो घंटे तक चले हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस और परिजनों की समझाइश पर किशोरी सुरक्षित नीचे उतर आई। इसके बाद पुलिस उसे अपने साथ कोतवाली ले गई, जहां परिजनों को बुलाकर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। बताया गया कि लालगंज क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली किशोरी कुछ दिन पहले अपने प्रेमी रंजीत के साथ घर से चली गई थी। मामले में किशोरी की मां ने लालगंज कोतवाली में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस लगातार दोनों की तलाश में जुटी हुई थी। करीब तीन दिन पहले पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया था। चर्चा रही कि पुलिस किशोरी को सुधार गृह भेजने की तैयारी कर रही थी, लेकिन बाद में परिजन उसे अपनी सुपुर्दगी में लेकर घर चले गए थे।शनिवार शाम करीब पांच बजे अचानक किशोरी गांव के पास स्थित मोबाइल टॉवर पर चढ़ गई। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। परिजन घबराकर उसे नीचे उतरने की गुहार लगाने लगे। वहीं सूचना मिलते ही लालगंज पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। टॉवर पर खड़ी किशोरी लगातार अपने प्रेमी पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग करती रही। पुलिसकर्मियों और परिजनों ने काफी देर तक उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी मांग पर अड़ी रही और नीचे उतरने से इनकार करती रही घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं।

संक्षेप

भाजपा विधायक योगेश धामा पर आपत्तिजनक पोस्ट का मामला

बागपत के साइबर थाने में 4 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बागपत में भाजपा विधायक योगेश धामा के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। विधायक प्रतिनिधि गौरव यादव ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद रिंकू जाट, राजू धामा, विशाल यादव और सुमित जाट पर प्राथमिकी दर्ज की गई।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपी सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म का उपयोग करके विधायक की छवि खराब करने का प्रयास कर रहे थे। उनके द्वारा बनाई गई सोशल मीडिया आईडी से लगातार ऐसी पोस्ट साझा की जा रही थीं, जिनमें विधायक के लिए अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया और कई गलत आरोप लगाए गए। गौरव यादव ने इन आपत्तिजनक पोस्ट के स्क्रीनशॉट भी पुलिस को सौंपे हैं। गौरव यादव ने बताया कि विधायक योगेश धामा पहले दो बार जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में आगामी चुनाव की तैयारियों में व्यस्त हैं। ऐसे समय में सोशल मीडिया पर इस तरह की पोस्ट के माध्यम से माहौल खराब करने और लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि संबंधित सोशल मीडिया अकाउंट किसके नाम से संचालित किए जा रहे थे और ये पोस्ट कहां से अपलोड की गईं।इस संबंध में सीओ विजय चौधरी ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि साइबर टीम सभी तकनीकी पहलुओं की जांच कर रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

त्योहारों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

सीसीटीवी, ड्रोन से होगी निगरानी; डीएम एसपी ने संभाली कमान

बागपत ,आगामी ईद-उल-अजहा (बकरीद) और अन्य त्योहारों को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।जिलाधिकारी अस्मिता लाल और पुलिस अधीक्षक सूरज राय ने सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाल ली है। जिले में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है ताकि असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। विवादित पोस्ट, कुबार्नी के वीडियो या फोटो साझा करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा, कुबार्नी में प्रतिबंधित पशुओं के इस्तेमाल पर भी कठोर कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासनिक अधिकारी धर्मगुरुओं के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं और सभी से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की जा रही है।जिले भर में सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से निगरानी की जा रही है। सीमा चौकियों और मुख्य बाजारों में विशेष चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। एंटी-रोमियो टीम भी पूरी तरह सक्रिय है।किसी भी असामाजिक तत्व द्वारा माहौल खराब करने की कोशिश पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

डिप्टी सीएमओ ने किया आरोग्य मेले का औचक निरीक्षण

अनुपस्थित मिले सीनियर लैब टेक्नीशियन हो सकती है कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के तेलियानी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भदवा में लगे मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले में अचानक जनपद के डिप्टी सीएमओ डॉक्टर निसार मोहम्मद शहाबुद्दीन तथा डॉक्टर अरुण कुमार द्विवेदी का आगमन हुआ अचानक पहुंचे अधिकारी को देख स्वास्थ्य मेले में लगे चिकित्सकों में हड़कंप मच गया वहीं पहुंचे अधिकारी ने मेले में उपस्थित मरीजों के हाल-चाल पूछते हुए अन्य अभिलेखों की जांच की डिलीवरी रूम चेक करने पर कमियां मिलीं जिसके लिए साफ सफाई हेतु स्टाफ नर्स सुमन देवी को निर्देशित किया गया अस्पताल अंतर्गत निरीक्षण के दौरान सीनियर लैब टेक्नीशियन संजय वर्मा गायब मिले वहीं लैब में यश गुप्ता कार्य करते पाए गए डिप्टी सीएमओ ने अभिलेख जांच हेतु रजिस्टर की मांग की जहां उपस्थित लैब टेक्नीशियन ने अलमारी बंद होने का कारण बताया और रजिस्टर उपलब्ध नहीं हो सके लैब में स्टाक भी नहीं दिखा जहां संजय वर्मा से पूरे सामान की जांच करने व अनुपस्थिति में कार्यवाही करने का आश्वासन दिया ठीक इसी प्रकार अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भदवा में एक दर्जन से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ इस मौके पर उच्च अधिकारियों के साथ फार्मासिस्ट चंद्रप्रकाश सिंह लैब टेक्नीशियन यश गुप्ता रामप्रकाश स्टाफ नर्स सुमन देवी समेत सभी स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे

नव आगंतुक थाना प्रभारियों का हुआ भव्य स्वागत

बकरीद पर्व को लेकर थाना परिसर में हुई पीस कमेटी की बैठक

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर जनपद के गाजीपुर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार मौर्य का स्थानांतरण जनपद के चांदपुर थाना अंतर्गत हुआ जहां पहुंचने पर क्षेत्र वासियों समेत थाना परिसर के पुलिस बल ने माल्यार्पण कर नव आगंतुक थाना प्रभारी का भव्य स्वागत किया वही विदाई के पश्चात जनपद के गाजीपुर थाना पहुंचे थाना प्रभारी विनोद कुमार पटेल का भी क्षेत्रवासियों ने स्वागत किया नव आगंतुक थाना प्रभारी की उपस्थिति में गाजीपुर थाना प्रांगण अंतर्गत बकरीद पर्व को लेकर पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई जहां क्षेत्र के जनप्रतिनिधि समाज सेवी मुस्लिम समुदाय के वरिष्ठ रेहान खान मौलाना सलमान साहिल वाहिद खान रईस अहमद इरशाद आदि लोगों की उपस्थिति में थाना प्रभारी ने आपसी भाईचारे को कायम रखते हुए शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने की अपील की इस मौके पर उप निरीक्षक उमेश प्रताप सिंह हरिनाथ सिंह हेमंत कुमार अजय सिंह अरविंद मौर्य समेत थाना परिसर का पुलिस प्रशासन मौजूद रहा ठीक इसी प्रकार जनपद के जहानाबाद थाना परिसर में भी थाना प्रभारी मनीष कुमार सिंह की अगुवाई में पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई बैठक के दौरान थाना प्रभारी ने उपस्थित लोगों के साथ अपनी बात साझा करते हुए बताया कि त्यौहार को शासन प्रशासन की गाइडलाइन के अनुसार मनाया जाए वहीं प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी ना दी जाए शांतिपूर्ण वातावरण के साथ पावन पर्व को मनाए इस मौके पर कारी हाफिज आसिफ कारी मोहम्मद रफी आलम डॉक्टर असलम अंसारी भाजपा पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष सिंपू शिवहरे के साथ-साथ थाना परिसर के सभी उप निरीक्षक आरक्षी एवं कर्मचारी मौजूद रहे

संदिग्ध परिस्थितियों में पंचायत सहायक की हुई मौत

गांव में शोक की लहर शव को भेजा गया पोस्टमार्टम हाउस

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के सुल्तानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत धनकामई गांव में 30 वर्षीय पंचायत सहायक शिमला देवी पत्नी संजय की संदिग्ध हालत में मौत हो गई मिली जानकारी के अनुसार कल रविवार सुबह अचानक पंचायत सहायक की तबीयत बिगड़ी कुछ ही समय में हालत गंभीर होने लगी पति संजय समेत परिजन तत्काल उपचार हेतु नजदीकी खागा कस्बे अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के दौरान पंचायत सहायक को मृत घोषित कर दिया यह सूचना जैसे ही परिजनों समेत मायके पक्ष को मिली तो सभी में कोहराम मच गया वहीं गांव में अशोक की लहर दौड़ गई परिजनों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मृतका शिमला देवी के छोटे-छोटे तीन बच्चे हैं वहीं पति खागा कस्बे में संचालित एक इंटर कॉलेज में संविदा कर्मी के रूप में चतुर्थ श्रेणी पद पर नौकरी कर रहा है सूचना मिलने पर पहुंचे थाना प्रभारी ने प्राथमिक जांच करते हुए पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जानकारी लेने पर थाना प्रभारी ने बताया कि वर्तमान में मामले की जांच बारीकी से की जा रही है वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

अलग-अलग लोगों की आठ बकरी एक साथ हुई चोरी

बकरीद त्यौहार आने से पहले चोरों ने बकरियों को बनाया निशाना

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद के बिंदकी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सेलवान गांव में विगत रात्रि शनिवार प्रातः रविवार को चोरो ने गांव के अलग-अलग मकान में धावा बोलकर बकरी फरार कर दी मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीण सूबेदार पुत्र मुज्जन की दो राजू पुत्र रामकिशोर की दो तथा कमलेश पुत्र रामस्वरूप की चार बकरियां रात में गायब हुई जहां सुबह मामले की जानकारी होते ही खोजबीन प्रारंभ की गई लेकिन काफी खोजबीन के बाद भी निराशा ही हाथ लगी मजदूर किसानों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचना दी वहीं सूचना पाकर पुलिस प्रशासन ने मामले की जांच पड़ताल प्रारंभ की इस चोरी से गांव में सनसनी फैल गई सभी ग्रामीणों में पूर्ण रूप से भय व्याप्त है

गौकशी करने वाले 4 बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

गोली लगने से दो घायल, खंडहर में चल रही थी गौकशी की तैयारी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,जानी थाना क्षेत्र में पुलिस ने गौकशी की घटना को अंजाम देने की फिराक में जुटे 4 बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों के पैर में गोली लगने से वे घायल हो गए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार, गौकशी के औजार, एक पिकअप वाहन, एक बाइक और एक गाय बरामद की है।यह घटना शनिवार देर रात की है, जब जानी थाना पुलिस और स्वॉट टीम देहात टिमकिया चौराहे पर चेकिंग कर रही थी। मुखबिर से सूचना मिली कि टिमकिया कोठी के खंडहर में कुछ लोग गौकशी की तैयारी कर रहे हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की तो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।पुलिस की जवाबी कार्रवाई में नौशाद और शहबाज घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस ने इकरार और रिहान को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया।आरोपियों के पास से दो तमंचे, गंडासा, तीन छुरियां, रस्सियां, टॉर्च और प्लास्टिक के कट्टे बरामद हुए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने 4 मई को जानी क्षेत्र के नंदपुरा जंगल में हुई गौकशी की घटना को अंजाम देना भी स्वीकार किया है।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी शातिर अपराधी हैं। इनके खिलाफ मेरठ, गाजियाबाद और अन्य जिलों में गौवध, गैंगस्टर, लूट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से आगे की पूछताछ कर रही है।

ओवरलोड-यात्री बसों पर कार्रवाई, 5वें दिन 100+ चालान

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सड़क हादसों में मौतें कम करने का अभियान जारी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सड़क हादसों में होने वाली मौतों को 50% तक कम करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देश पर संयुक्त प्रवर्तन अभियान जारी है। इस अभियान के पांचवें दिन ओवरलोड और यात्री बसों के खिलाफ विशेष जांच की गई, जिसमें 100 से अधिक वाहनों के चालान किए गए।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यातायात राजेश कुमार श्रीवास्तव, संभागीय परिवहन अधिकारी अनीता सिंह और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी यूतिका सिंह की संयुक्त टीम द्वारा की गई। टीम ने विभिन्न मार्गों और चेकिंग स्थलों पर बसों तथा अन्य वाहनों का सघन निरीक्षण किया। जांच के दौरान विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान काटे गए।इनमें ओवर स्पीडिंग के 31, रॉन्ग साइड के 10, मोबाइल फोन के 5, बिना हेलमेट के 51 और सीट बेल्ट न लगाने के 35 चालान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ओवरलोडिंग के 2, अनधिकृत बसों के 3, मालवाहनों में सवारी ले जाने का 1 और ड्रंक एंड ड्राइव का 1 चालान किया गया। पुलिस अधीक्षक यातायात ने बताया कि यह विशेष अभियान 19 मई 2026 से 31 मई 2026 तक जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाना और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें, ओवरलोड यात्रा से बचें और सुरक्षित यात्रा करें। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

दुकानों के अतिक्रमण पर लोगों का प्रदर्शन

आवाजाही बाधित होने से नाराज लोगों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

अमन लेखनी समाचार

मोदीनगर , दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित रूकमणी मार्केट में दुकानों के बाहर अतिक्रमण के विरोध में स्थानीय लोगों ने रविवार को मार्केट के बाहर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर नारेबाजी की और उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। नगर के फफराना रोड और आसपास की कॉलोनियों के निवासियों ने आरोप लगाया कि रूकमणी मार्केट में दुकानों के आगे बने बरामदों पर दुकानदारों ने कब्जा कर लिया है। इस अतिक्रमण के कारण पैदल चलने वालों की आवाजाही बाधित हो रही है, जिससे आए दिन विवाद होते रहते हैं।प्रदर्शनकारियों ने बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर कई बार समाधान दिवस में शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा था।उपजिलाधिकारी अजीत सिंह ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि मामले की जांच कराई जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।इस अवसर पर राधा, मोहित, संदीप, पिंटू, राजू, सुरेश, अशोक, अंजू, कुसुम और मुकेश सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल के तीसरे दिन सरकार ने बुलाई वार्ता

ट्रांसपोर्टर बोले- करोड़ों का व्यापार प्रभावित, जारी रहेगा संघर्ष

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के आह्वान पर चल रहे तीन दिवसीय चक्का जाम का असर मेरठ में भी साफ दिखाई दिया। मेरठ में पदाधिकारियों ने बताया हड़ताल के कारण दिल्ली-एनसीआर में माल आपूर्ति प्रभावित रही, जिससे बाजारों में जरूरी वस्तुओं और सब्जियों के दामों में तेजी देखने को मिली। हड़ताल के बढ़ते असर को देखते हुए दिल्ली सरकार ने ट्रांसपोर्ट प्रतिनिधियों को वार्ता के लिए बुलाया है।जानकारी के अनुसार दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री ने शाम 4 बजे ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिए आमंत्रित किया। ट्रांसपोर्ट संगठनों ने इसे आंदोलन की बड़ी सफलता बताया हैउधर, हड़ताल की सफलता पर यूपी मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन मेरठ जोन के अध्यक्ष अमरजीत पिंकी चिन्योटी के नेतृत्व में पदयात्रा निकाली गई।इस दौरान उन्होंने तीन दिन तक चक्का जाम को सफल बनाने वाले ट्रांसपोर्टरों और ड्राइवरों का आभार जताया। ट्रांसपोर्ट नेताओं ने कहा कि जब तक सरकार ग्रीन टैक्स और परिवहन विरोधी नीतियों पर ठोस निर्णय नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।पदयात्रा में अंगद चावला, परमजीत सिंह, समीर कोहली, रविंद्र सिंह बेदी, विजिट शर्मा, गुरदीप सिंह गुड्डू, नवीन पुरी, शंभू बंसल, ताहिर इस्लाम, जसविंदर सिंह, राजा शर्मा, प्रदीप, अवी, आर्यन भारद्वाज, परमिंदर सिंह और कमलजीत सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि दिल्ली-एनसीआर में लगाए गए ईसीसी शुल्क और बीएस-4 वाहनों पर प्रतिबंध से उनका व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।उन्होंने सरकार से इन निर्णयों पर पुनर्विचार करने की मांग की। शहर में सर्वाधिक खेल, जिम उपकरण, गार्मेंट, फिटनेस, ऑटोमोबाइल, ट्रांसफार्मर पार्ट्स, केमिकल उद्योग प्रभावित हैं। ध्यानचंद नगर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल पुंडीर ने बताया कि यहां 120 उद्योग संचालित हैं। दोगुना कीमतों के साथ आर्डर सप्लाई करने में मुश्किल हो रही है। ऐसे में ट्रांसपोर्टर हड़ताल पर हैं।

ठेकेदार को पीटा, सड़क खराब करने से रोकने पर

ग्रेटर नोएडा में दबंगों ने की मारपीट, पुलिस ने मामला दर्ज किया

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा के जेवर थाना क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य करा रहे एक ठेकेदार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि सड़क खराब करने से रोकने पर कुछ लोगों ने ठेकेदार की पिटाई कर दी और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रविवार को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।बुलंदशहर के जुनैदपुर निवासी ठेकेदार अशोक कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि गांव मढ़ैया में सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था। रविवार को जब वह निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे थे, तभी जेवर खादर निवासी किशनपाल अपनी तेज रफ्तार गाड़ी लेकर निमार्णाधीन सड़क से गुजरा। इससे सड़क खराब हो गई। अशोक कुमार ने जब सड़क खराब करने का विरोध किया, तो किशनपाल आगबबूला हो गया और गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि कुछ ही देर में किशनपाल ने गांव के अन्य लोगों को बुला लिया।

दिल्ली जल बोर्ड अधिकारी बनकर 3.39 लाख की ठगी

नोएडा में ऐप डाउनलोड कराकर मोबाइल हैक किया, बैंक खाते से उड़ाए पैसे

अमन लेखनी समाचार

नोएडा,साइबर अपराधियों ने दिल्ली जल बोर्ड का अधिकारी बनकर एक व्यक्ति के मोबाइल फोन को हैक कर बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड से 3.39 लाख रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने मामले की शिकायत सेक्टर 126 थाने की पुलिस से की। अज्ञात ठगों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस को दी शिकायत में दिल्ली के त्रिलोकपुरी निवासी वीरेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि वर्तमान में वह सेक्टर-128 स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं।उनके मोबाइल नंबर पर इस महीने की दो तारीख को एक एसएमएस मिला।उसमें लिखा था दिल्ली जल बोर्ड का कर्मचारी बोल रहा है और पानी के बिल मीटर की रीडिंग अपडेट करनी है।इसके लिए एक मोबाइल नंबर पर संपर्क करने को कहा गया।पीड़ित ने दिए गए नंबर पर कॉल किया। मोबाइल पर ऐप कराया डाउनलोडसामने वाले व्यक्ति ने खुद को दिल्ली जल बोर्ड का कर्मचारी बताया और मोबाइल में एक ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा।जैसे ही ऐप इंस्टॉल किया गया, मोबाइल फोन हैक हो गया। इसके तुरंत बाद बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड से कई ट्रांजैक्शन होने लगे। बचत खाते से करीब 65 हजार रुपये निकाल लिए गए, जबकि क्रेडिट कार्ड के जरिए लगभग 2 लाख 74 हजार रुपए का ट्रांजैक्शन ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट पर किया गया। कई ट्रांजेक्शन हुए फेल कई अन्य असफल ट्रांजैक्शन के मैसेज भी पीड़ित को मिले।

छत पर सो रहे परिवार पर चाकू से हमला

शादी से इनकार पर लड़की की मां को चाकू से गोदा, 3 लोग घायल

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर,नोएडा में शादी से इनकार से नाराज युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड के परिवार पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में महिला की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसकी दो बेटियां और पति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।पुलिस के मुताबिक, बिहार के छपरा निवासी सुरेंद्र शर्मा परिवार के साथ हरौला गांव के बी-ब्लॉक में किराए पर रहते हैं। परिवार में पत्नी संजू देवी और बेटियां ज्योति व जूली हैं। बताया जा रहा है कि बरेली निवासी हरिराम यादव का ज्योति से प्रेम प्रसंग था। आरोपी लगातार शादी का दबाव बना रहा था, लेकिन परिवार ने रिश्ते से इनकार कर दिया था। मामला हरौला गांव में शनिवार देर रात का है। छत पर सो रहे परिवार पर किया हमला जानकारी के अनुसार शनिवार रात परिवार मकान की पहली मंजिल की छत पर सो रहा था। इसी दौरान आरोपी चाकू लेकर पहुंचा और हमला कर दिया। हमले में 40 वर्षीय संजू देवी को कई बार चाकू मारा गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ज्योति के सीने में चाकू लगा, जबकि उसकी बहन जूली के पैर में गंभीर चोट आई। पिता सुरेंद्र शर्मा भी हमले में घायल हो गए।

थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सुनीं जन शिकायतें, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद में आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने आज थाना रॉबर्ट्सगंज पहुंचकर फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस के दौरान पहुंचे नागरिकों ने भूमि विवाद, अतिक्रमण, आपसी विवाद एवं अन्य समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की जानकारी प्राप्त की तथा मौके पर जाकर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप थाना समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी प्रकरणों में मौके पर पहुंचकर जांच की जाए तथा गुणवत्तापूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों की समस्याओं का समाधान संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित न्याय मिल सके। थाना समाधान दिवस में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनसमस्याओं के प्रति उत्तरदायी एवं सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए।

ईद-उल-अजहा को लेकर थाना ककरवई में हुई पीस कमेटी की बैठक

अमन लेखनी समाचार

ककरवई (झांसी)। आगामी ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को थाना ककरवई में थानाध्यक्ष योगेंद्र सिंह की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न समुदायों के धर्मगुरु, जनप्रतिनिधि एवं संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में थानाध्यक्ष ने त्योहार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कुर्बानी नहीं की जाएगी तथा किसी नई परंपरा की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने मुस्लिम समाज के लोगों से मस्जिदों के अंदर ही नमाज अदा करने की अपील करते हुए आपसी भाईचारा एवं सौहार्द बनाए रखने का आह्वान किया, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। इस अवसर पर एसआई विजय शंकर मिश्र, प्रधान राजेंद्र कुमार तिवारी, जयराम यादव सहित थाना क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं मुस्लिम समाज के लोग मौजूद रहे।

हरियाणा से बिहार भेजी जा रही 9 लाख की अवैध शराब पकड़ी, तीन तस्कर गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कछौना थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने करीब 9 लाख रुपये कीमत की अवैध शराब बरामद करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान चार अर्टिगा कारें भी जब्त की गईं, जिनमें से दो वाहनों के नंबर फर्जी पाए गए हैं। रविवार शाम एएसपी पूर्वी सुबोध गौतम ने बताया कि शनिवार देर रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर हरियाणा से शराब लेकर कछौना थाना क्षेत्र के खजोहना गांव पहुंचे हैं और शराब की खेप को कटियामऊ होते हुए हरदोई-लखनऊ मार्ग से बिहार ले जाने की तैयारी में हैं। सूचना पर पुलिस ने कटियामऊ-खजोहना मार्ग पर घेराबंदी कर चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान खजोहना की ओर से आ रही कई गाड़ियों को रोककर तलाशी ली गई। पुलिस ने जमीर पुत्र सगीर, अम्बार पुत्र मोहम्मद यूनुस और बबलू पुत्र इंद्रजीत को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी कछौना कोतवाली क्षेत्र के खजोहना गांव के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3276 पव्वे शराब, 594 बोतल ऑल सीजन ब्रांड की अंग्रेजी शराब और 168 बोतल रॉयल स्टैग शराब बरामद की। साथ ही 18,600 रुपये नकद और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही चार अर्टिगा कारें भी जब्त की गईं। पुलिस कार्रवाई के दौरान गिरोह के पांच अन्य सदस्य अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मामले में कछौना थाने में धारा 318(4), 319(2) बीएनएस, 207 एमवी एक्ट और 60/63 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने कुल आठ आरोपियों को नामजद किया है। इनमें गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों के अलावा अमित तिवारी, रोशन, विजेंद्र, दीपांकर उर्फ दीपू और अमित उर्फ मीते शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे हरियाणा से शराब लाकर बिहार के मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर जिलों में सप्लाई करते थे। कछौना कोतवाल अमित सिंह ने बताया कि गिरोह का मुख्य सरगना हरियाणा के सोनीपत निवासी अमित उर्फ मीते है, जो प्रत्येक चक्कर के लिए चालकों को 7 हजार रुपये देता था। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

स्टे वायर में उतरे करंट से दो गाय व एक बैल की मौत

अमन लेखनी समाचार

ककरबई (झांसी)। ग्राम ककरबई में पहाड़िया के पास हनुमान मंदिर के सामने से निकली 11 हजार वोल्टेज की विद्युत लाइन के खंभे में लगी स्टे वायर में अचानक करंट उतर आने से दो गायों और एक बैल समेत तीन पशुओं की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। जानकारी के अनुसार मृत पशुओं में एक गाय शिवशंकर नायक व दूसरी गाय बाबूलाल यादव की थी। दोनों गायें दुधारू बताई जा रही हैं। वहीं एक बैल की भी करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। पशुपालकों ने प्रशासन से उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है। वही घटना के संबंध में अवर अभियंता रामभवन चौहान ने बताया कि विद्युत खंभे में लगी डिस्क अचानक खराब हो गई थी, जिससे खंभे सहित स्टे वायर में करंट उतर आया और यह हादसा हो गया। उन्होंने पशुपालकों को विभाग की ओर से नियमानुसार मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

खास समाचार

सोनभद्र में अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को निःशुल्क राशन वितरण 25 मई से 10 जून तक

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी, ध्रुव गुप्ता ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत माह जून 2026 हेतु अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जायेगा। यह वितरण जनपद की समस्त उचित दर दुकानों पर दिनांक 25 मई 2026 से 10 जून 2026 तक किया जाएगा। अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 35 किलोग्राम खाद्यान्न (10 किलोग्राम गेहूं एवं 25 किलोग्राम चावल) निःशुल्क उपलब्ध कराया जायेगा। वहीं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 किलोग्राम खाद्यान्न (01 किलोग्राम गेहूं एवं 04 किलोग्राम चावल) निःशुल्क वितरित किया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि खाद्यान्न वितरण ई-पॉस मशीन के माध्यम से ओटीपी आधारित अथवा मोबाइल ओटीपी सत्यापन के जरिए किया जाएगा। जिन कार्डधारकों का आधार प्रमाणीकरण किसी कारणवश संभव नहीं हो पा रहा है, वे मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से भी खाद्यान्न प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने समस्त कार्डधारकों से अपील की है कि निर्धारित अवधि के भीतर अपने निकटतम उचित दर विक्रेता की दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर लें तथा वितरण के समय ई-केवाईसी अवश्य कराएं, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों हेतु 22 मई से 15 जून तक अवकाश घोषित

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि ऑगनबाड़ी केन्द्र, जहाँ छोटे-छोटे बच्चों को ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा विभागीय सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए तमाम गतिविधियों कराई जाती हैं। वर्तमान में भीषण गर्मी एवं लू के कारण आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चे षार्मी एवं लूष्से प्रभावित हो सकते हैं। गर्मी एवं लू को दृष्टिगत रखते हुए ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों का दिनांक 22.05.2026 से दिनांक 15.06.2026 तक अवकाश घोषित किया जाता है। उक्त अवधि में आंगनबाड़ी कार्यकत्री का जिनका बी०एल०ओ० में ड्यूटी लगा है वे यथावत कार्य करती रहेगी साथ ही सभी ऑगनबाड़ी केन्द्र खुले रहेंगे तथा ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं द्वारा ऑगनबाड़ी केन्द्र की अन्य आवश्यक सुविधाएं जैसे- गृह भ्रमण, सामुदायिक गतिविधियाँ, टीकाकरण, अनुपूरक पुष्टाहार वितरण एवं पोषण ट्रैकर एप पर फीडिंग आदि समस्त शासकीय कार्यों का निष्पादन पूर्ववत किया जायेगा

फैमिली आईडी बनवाने पर राशन कार्ड की, पात्रता पर नहीं पड़ेगा कोई प्रभाव- जिलाधिकारी

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित ह्यफैमिली आईडी-एक परिवार एक पहचान योजनाह्न के संबंध में शासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि फैमिली आईडी बनवाने से राशन कार्ड की पात्रता प्रभावित नहीं होगी। ऐसे परिवार जो वर्तमान में राशन कार्ड से आच्छादित नहीं हैं, वे फैमिली आईडी पोर्टल के माध्यम से अपना फैमिली आईडी बनवा लें, तथा पात्रता के अनुसार भविष्य में कभी भी राशन कार्ड हेतु आवेदन कर सकेंगे। राशन कार्ड निर्गत होने के बाद भी वही संख्या परिवार की फैमिली आईडी मानी जाएगी। वहीं अपात्र हो चुके राशन कार्ड धारकों के लिए अलग प्रक्रिया से फैमिली आईडी जारी की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आमजन में फैली भ्रांतियों को दूर करते हुए योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाए।

ओवरलोड एवं मानक विहीन भारी वाहनों के विरुद्ध थाना शक्तिनगर पुलिस की बड़ी कार्यवाही, 05 वाहन सीज

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान तथा वाहन चेकिंग/ओवरलोड भारी वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के निर्देशन में थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा उप-सम्भागीय परिवहन अधिकारी, जनपद सोनभद्र के सहयोग से संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान कुल 05 अदद ट्रेलर/डम्फर, जिन पर राखड़, गिट्टी एवं बालू आदि लदा हुआ था, को निर्धारित मानकों के अनुरूप न पाए जाने पर नियमानुसार सीज की कार्यवाही करते हुए थाना शक्तिनगर परिसर में खड़ा कराया गया। साथ ही संबंधित विभागों को आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु रिपोर्ट प्रेषित की गई।

प्रयागराज में गंगा नदी से युवक का शव बरामद, परिवार में मचा कोहराम

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। जिगना थाना क्षेत्र के मिश्रपुर गांव निवासी एक युवक का शव प्रयागराज के नैनी थाना क्षेत्र में गंगा नदी से बरामद होने की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भेज दिया है। मिश्रपुर गांव निवासी 20 वर्षीय रिजवान पुत्र हकीम अली उर्फ शरीफ गुरुवार सुबह करीब सात बजे प्रयागराज जनपद के कौंधियारा थाना क्षेत्र स्थित जारी पुलिस चौकी अंतर्गत सेमरी गांव में अपने फूफा नसीम अहमद के घर गया था। वहां से वह घर लौटने के लिए निकला, लेकिन देर शाम तक घर नहीं पहुंचा। परिजनों ने काफी तलाश के बाद कौंधियारा थाना और जारी पुलिस चौकी में युवक के लापता होने की सूचना दी। शुक्रवार शाम करीब छह बजे नैनी थाना पुलिस ने परिवार को सूचना दी कि गंगा नदी से एक युवक का शव बरामद हुआ है। सूचना पर पहुंची मां शकीना बानो ने शव की पहचान अपने बेटे रिजवान के रूप में की। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया।

धुंधकारी और गौकर्ण की कथा का किया गया वर्णन

अमन लेखनी समाचार

ककरवई। समीपस्थ सिद्धपीठ चकाडोरी सरकार में चल रहे श्रीराम महायज्ञ के अंतर्गत संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। कथा का शुभारंभ भागवत मंगलाचरण से हुआ, वहीं यज्ञाचार्य धनंजय दास तिवारी अयोध्या द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ यजमानों से पूजन एवं हवन कराया गया। राष्ट्रीय भगवताचार्य पंडित रमाकांत व्यास ने धुंधकारी और गोकर्ण प्रसंग का मार्मिक वर्णन करते हुए कहा कि मनुष्य को सदाचार, दान और भगवान भक्ति का मार्ग अपनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि धुंधकारी कुसंगति और भोग-विलास में पड़कर पतन की ओर चला गया, जबकि गोकर्ण ज्ञान और वैराग्य का प्रतीक बना। कथा में आत्मदेव और गोकर्ण संवाद का भी भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा के दौरान भजन-संगीत की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंचे। कथा की आरती परीक्षित अंजुलता हरिशंकर तिवारी ने की। इस अवसर पर यज्ञ आयोजक महंत राकेश दास जी महाराज, मुख्य यजमान रमाकांत मिश्रा, सुरेश मिश्रा, महेशचंद्र बिदुआ, ओमप्रकाश मिश्रा, सत्यप्रकाश तिवारी, चंद्रप्रकाश द्विवेदी, विकास तिवारी सिया, अरविंद्र गुप्ता, दिनेश अग्रवाल, पीतम यादव, श्याम सिंह यादव, खरका विश्वनाथ यादव, वीरेंद्र यादव, लला यादव, कचीर पीतम यादव, मुकेश तिवारी, छत्रपाल परमार, राधे पंडा, चतुर सिंह यादव, रुद्रप्रकाश, रिंकू गुप्ता, घनाराम मिश्रा, कमलाकांत उपाध्याय, जयराम टेलर सहित समस्त क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

हिंडालको रेनुसागर ने प्याऊ का किया शुभारम्भ

अमन लेखनी समाचार

अनपरा, सोनभद्र। भीषण गर्मी एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए हिन्डाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर के यूनिट हेड आर.पी. सिंह के मार्गदर्शन एवं हेड एचआर आशीष पांडेय के दिशा निर्देशन में ग्रामीण विकास विभाग रेनुसागर द्वारा सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत औड़ी, अनपरा एवं डीबुलगंज क्षेत्र में आमजन को शीतल पेयजल एवं ओआरएस घोल उपलब्ध कराने हेतु प्याऊ लगाकर जनसेवा का कार्य किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अनपरा नगर पंचायत के चेयरमैन विश्राम प्रसाद बैसवार विशिष्ट अतिथि अधिशासी अधिकारी अपर्णा मिश्रा एवं एचआर हेड आशीष पांडेय तथा ईआर हेड मृदुल भारद्वाज ने फीता काटकर प्याऊ का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने हिंडालको रेनुसागर की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी द्वारा समय-समय पर क्षेत्र में सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्य किए जाते रहे हैं, जिससे आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है। ग्रामीण विकास विभाग के प्रभारी संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि आगामी दिनों में भीषण गर्मी को देखते हुए जरूरतमंद क्षेत्रों में इसी प्रकार की जनसेवा गतिविधियों का संचालन निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर हिंडालको रेनुसागर के अधिकारी गण सदानन्द पांडेय, आर.के. बर्मा, आर.एन. यादव एवं शिवम पाठक मौजूद रहे।

सोनभद्र में भीषण गर्मी को लेकर प्रशासन सतर्क, जिलाधिकारी ने जारी की महत्वपूर्ण एडवाइजरी

जनपदवासियों से सावधानी बरतने, पर्याप्त पानी पीने एवं दोपहर में अनावश्यक बाहर न निकलने की अपील।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। लगातार बढ़ते तापमान एवं भीषण गर्मी के चलते हीटवेव (लू) की स्थिति गंभीर होती जा रही है। मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में तापमान में और वृद्धि की संभावना जताई गई है। पहाड़ी एवं गर्म जलवायु वाले जनपद सोनभद्र में लू का प्रभाव आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। इसे दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने समस्त जनपदवासियों से विशेष सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपील की है। जिलाधिकारी ने कहा कि अत्यधिक गर्मी एवं लू का प्रभाव विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, श्रमिकों एवं बीमार व्यक्तियों पर अधिक पड़ता है। ऐसे में सभी नागरिक स्वयं एवं अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। उन्होंने बताया कि जनपद प्रशासन द्वारा हीटवेव से बचाव हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त दवाओं, ओआरएस, प्राथमिक उपचार एवं चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निकायों को पेयजल व्यवस्था सुचारु बनाए रखने तथा विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही श्रम विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों को व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि दोपहर 12 बजे से अपराह्न 4 बजे तक अत्यधिक आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें। बाहर निकलते समय सिर को कपड़े, टोपी अथवा छाते से ढककर रखें तथा पर्याप्त मात्रा में पानी एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करते रहें। हल्के रंग के सूती एवं ढीले कपड़े पहनें तथा निर्जलीकरण से बचने के लिए नियमित अंतराल पर पानी पीते रहें। उन्होंने कहा कि खेतों, निर्माण स्थलों एवं खुले स्थानों पर कार्य करने वाले श्रमिक समय-समय पर विश्राम अवश्य करें। बच्चों एवं बुजुर्गों को अनावश्यक रूप से धूप में बाहर न जाने दें। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि यदि किसी व्यक्ति में चक्कर आना, उल्टी, तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी अथवा बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें एवं चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करें। हीटवेव से बचाव हेतु क्या करें:-पर्याप्त मात्रा में पानी एवं तरल पदार्थों का सेवन करें। धूप में निकलते समय सिर एवं शरीर को ढककर रखें। हल्के रंग के सूती एवं ढीले कपड़े पहनें। बच्चों, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। घर एवं कार्यस्थल पर पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखें।

क्या न करें:-खाली पेट धूप में बाहर न निकलें।

पॉक्सो एक्ट: दोषी राजू को बीस वर्ष के कठोर कारावास की सजा

- -11 हजार रुपए अर्थदंड, न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी।
- जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी।
- -अर्थदंड की सम्पूर्ण धनराशि 11 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी।
- -करीब साढ़े 4 वर्ष पूर्व 9 वर्ष की नाबालिग बालिका के साथ चाकू दिखाकर जबरन दुष्कर्म का प्रयास किए जाने का मामला।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। करीब साढ़े 4 वर्ष पूर्व 9 वर्ष की नाबालिग बालिका के साथ चाकू दिखाकर जबरन दुष्कर्म करने का प्रयास मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट ओमकार शुक्ला की अदालत ने शनिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी राजू हरिजन उर्फ रामनिवास को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। उसके ऊपर 11 हजार रुपए अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की सम्पूर्ण धनराशि 11 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता की मां ने एक जनवरी 2022 को रॉबर्ट्सगंज थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 30 दिसंबर 2021 को शाम 5 बजे उसकी 9 वर्षीय नाबालिग बेटी को राजू हरिजन उर्फ रामनिवास पुत्र घुरफेकन निवासी बढ़ौली, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र अपने घर पर बुलाकर ले गया और दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद चाकू दिखाकर बेटी से कहा कि जैसा मैं कहूंगा वैसा तुम करना नहीं तो जान से मार देंगे। उसके बाद जबरन दुष्कर्म करने का प्रयास किया, लेकिन बेटी किसी तरह अपनी जान बचाकर भाग आई और आपबीती सुनाई। इस तहरीर पर रॉबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्को को सुनने, 6 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी राजू हरिजन उर्फ रामनिवास (29) वर्ष को बीस वर्ष का कठोर कारावास एवं 11 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वही अर्थदंड की सम्पूर्ण धनराशि 11 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी व नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

बीडा एवं डिफेंस कॉरिडोर का औद्योगिक विकास मंत्री ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

गरौठा (झांसी)। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता ह्यनन्दीह्न ने रविवार को एरच क्षेत्र के गेंदा कबूला में बुन्देलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) एवं डिफेंस कॉरिडोर का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मंत्री कार्यों को लेकर संतुष्ट नजर आए। इस दौरान स्थानीय किसानों ने मंत्री को ज्ञापन सौंपकर भूमि के सर्किल रेट बढ़ाए जाने की मांग की। जिस पर मंत्री ने किसानों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। निरीक्षण के समय गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत, एमएलसी रमा निरंजन, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमित चौरसिया, पुष्पेंद्र दुबे, अवधेश फौजी सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह
समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

जापानी संस्कृति अपनी विशिष्ट जीवनशैली और अनूठे दर्शन के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। यहां पर मेनीफेस्टेशन को केवल इच्छा पूर्ति का साधन ही नहीं, बल्कि अनुशासन, कृतज्ञता और ब्रह्मांड के साथ तालमेल बिठाने की एक कला भी माना जाता है। इसमें कई ऐसी कारगर तकनीकें अपनाई जाती हैं, जो आपके जीवन को पूरी तरह सकारात्मक दिशा में मोड़ देती हैं। इनमें से कुछ तकनीकों के बारे में जानिए।

जीवन की दिशा बदल देगा जापानी मेनीफेस्टेशन

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

एक मशहूर जापानी कहावत है- 'सात बार गिरो, आठ बार उठो।' इससे ही साबित होता है कि जापानी संस्कृति और जीवनशैली में कितनी सकारात्मकता शामिल है। जापानी जीवनशैली और दर्शन में जीवन की धारा बदलने के लिए मेनीफेस्टेशन के नायाब और बेहतरीन तरीके मौजूद हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन को इच्छा पूर्ति का साधन मात्र नहीं माना जाता है। यह जीवन में संतुलन बनाने और तालमेल बिठाने की एक कला सिखाता है। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें हमें सिखाती हैं कि सपने देखना केवल पहला कदम है। उन सपनों को अनुशासन, कृतज्ञता और धैर्य के साथ सींचना ही असली कला है। कह सकते हैं कि मेनीफेस्टेशन का असली जादू, हार न मानने वाले जज्बे में छिपा होता है।

क्या है जापानी मेनीफेस्टेशन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति अपने सपनों को साकार करना चाहता है। उसके लिए हर संभव प्रयास करता है। पश्चिमी देशों में 'लॉ ऑफ अट्रैक्शन' की चर्चा जोरों पर है। लेकिन इसके विपरीत पूर्व में, विशेषकर जापान में, इच्छा पूर्ति के लिए सदियों पुराने ऐसे तरीके मौजूद हैं, जो न केवल प्रभावी हैं बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण में भी मदद करते हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें केवल सोचने पर नहीं, बल्कि हमारे प्रयास करने और सपने साकार होने के गहरे संतुलन पर आधारित होती हैं। यहां जापानी मेनीफेस्टेशन से जुड़ी कुछ पद्धतियों के बारे में बता रहे हैं।

योशुकु करें सफलता का पूर्वाभास

यह एक प्राचीन जापानी तकनीक है, जिसे प्री सेलिब्रेशन के रूप में जाना जाता है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि आप अपनी सफलता की खुशी पहले ही मना लें, ताकि उसे हकीकत में बदला जा सके। जापानी संस्कृति में यह माना जाता है कि 'भविष्य को वर्तमान में जीना' सफलता को आकर्षित करता है। यह उस भावना को पूरी तरह महसूस करने के बारे में है, जो आपको लक्ष्य प्राप्त करने के बाद होगी। इसमें कहा जाता है कि सबसे पहले स्पष्ट करें कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं? इसके बाद इमेजिन करें कि वह सफलता आपको प्राप्त हो चुकी है। इसे रियल फील करने के लिए अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ एक छोटी-सी पार्टी करें, दूसरों की 'बधाई' स्वीकार करें। आंखें बंद करें और इमेजिन करें कि आप क्या पहन रहे हैं, कौन आपके पास है और आप कैसा महसूस कर रहे हैं? फिर ब्रह्मांड को 'धन्यवाद' कहें जैसे कि काम पहले ही पूरा हो चुका है। या फिर अपनी डायरी में आज की तारीख डालें और लिखें, 'आज मैंने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया और मुझे बहुत खुशी हो रही है।' योशुकु दिमाग की प्रोग्रामिंग को प्रभावित करता है। यह आपके अवचेतन मन को सफलता के लिए ट्यून करता है। जब आप पहले ही 'जीत' महसूस करते हैं, तो असफलता का डर खत्म हो जाता है।

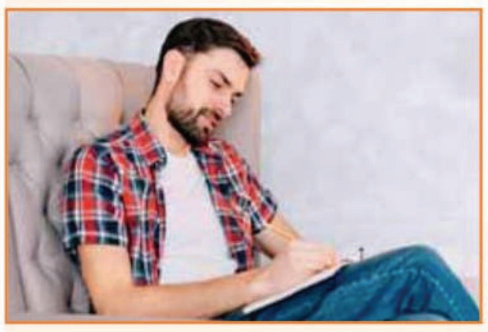

अरिगातो व्यक्त करते रहें कृतज्ञता

जापानी संस्कृति में 'कृतज्ञता' को सबसे बड़ी ऊर्जा माना गया है। 'अरिगातो' यानी धन्यवाद शब्द में जापानी लोग जादू मानते हैं। इस दर्शन के तहत मेनीफेस्टेशन की खास एक तकनीक है-'पैसों को धन्यवाद देना'। जब आप पैसे खर्च करते हैं, तो मन ही मन उसे 'अरिगातो' कहें ताकि वह समाज में खुशी फैलाए। जब पैसे आएं, तब भी 'अरिगातो' कहें। यह सकारात्मक ऊर्जा का एक चक्र बनाता है, जो प्रचुरता को आकर्षित करता है। आप स्वयं को संपन्न मानकर ज्यादा आत्मविश्वास के साथ काम करते हैं।

दारुमा गुड़िया संकल्प की दिलाए याद

दारुमा गुड़िया जापान की सबसे प्रसिद्ध मेनीफेस्टेशन तकनीकों में से एक है। यह लाल रंग की गोल गुड़िया होती है, जिसकी आंखें खाली यानी सफेद होती हैं। जब आप कोई बड़ा लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो दारुमा की बाईं आंख को काले रंग से भरते हुए अपनी इच्छा दोहराएं। अब इस गुड़िया को घर के किसी ऐसे कोने में रखें, जहां आपकी नजर बार-बार पड़े। जब वह लक्ष्य पूरा हो जाए, तब इसकी दूसरी (दाईं) आंख को काले रंग से भरें। यह तकनीक हमें लगातार हमारे संकल्प की याद दिलाती रहती है।

कइजन हर दिन सीखें नई तकनीक

मेनीफेस्टेशन केवल कल्पना करना नहीं होता है। कइजन तकनीक कहती है कि हर दिन केवल 1 प्रतिशत सुधार करें। अगर आप अमीर बनना चाहते हैं, तो हर दिन धन प्रबंधन के बारे में एक छोटी-सी ही सही कोई उपयोगी बात या तरीका सीखें। यह निरंतरता आपके अवचेतन मन को विश्वास दिलाती है कि आप बदल रहे हैं, और यही विश्वास हकीकत को बदल देता है।

कहने का सार है कि जापानी जीवनशैली और संस्कृति, मेनीफेस्टेशन के जरिए जीवन की धारा सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए प्रेरित करती है। k

एमा ब्रह्मांड को अपनी इच्छा सौंपने की तकनीक

एमा एक तरह की प्रार्थना पट्टिकाएं होती हैं। जापानी मंदिरों (शिंतो मंदिरों) में लकड़ी की पट्टिकाएं लगी होती हैं, जिन्हें एमा कहा जाता है। लोग इन पर अपनी इच्छाएं लिखकर मंदिर में टांग देते हैं। यह आत्मसमर्पण की प्रक्रिया है। अपनी इच्छा को लिखकर ब्रह्मांड (या ईश्वर) को सौंप देना तनाव को खत्म करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। जिससे मेनीफेस्टेशन की गति बढ़ जाती है।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हमारी वर्तमान पहचान, हमारे अतीत पर टिकी होती है। यह इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपनी स्मृतियों से कितना जुड़े हैं, उसे कितना मान देते हैं। आज तकनीक हमें अपने अतीत, रिश्तों और संवेदनाओं से निरंतर दूर कर रही है। ऐसे में स्मृतियों को संजोने का संकट खड़ा हो गया है।

स्मृतियां ही संजोती हैं यादें-रिश्ते-विरासत

जीवनशैली / लोकमित्र गौतम

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जहां लोग भविष्य की दौड़ में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, वहीं पीछे छूटती स्मृतियां हमें बार-बार यह याद दिलाती हैं कि बिना जड़ों के कोई भी वृक्ष लंबे समय तक हरा-भरा नहीं रह सकता। बचपन की शरारतें, बुजुर्गों की सीखें, संघर्षों की कहानियां, देश के इतिहास की गौरव गाथाएं और अपनों के साथ बिताए छोटे-छोटे पल, ये वो धरोहरें हैं, जो इंसान को अंदर से संपन्न बनाती हैं। वास्तव में स्मृतियां ही हर सभ्य समाज की सांस्कृतिक और भावनात्मक पूंजी होती हैं। जिस समाज की अपनी स्मृतियां जीवित रहती हैं, उसकी संवेदनाएं भी जीवित रहती हैं।

तस्वीरों से नहीं रहा भावनात्मक जुड़ाव: आज का डिजिटल युग स्मृतियों को एक अजीब से मोड़ पर ले आया है। हमारे हाथ में मौजूद मोबाइल फोन में एक ही समय पर लाखों तस्वीरें मौजूद होती हैं। जबकि पिछली सदी के श्याम-श्वेत जमाने में लोग कुछ फोटोज को हमेशा अपने सीने से लगाए रहते, उससे जुड़ी यादों के सहारे कभी हंस तो कभी रो लिया करते थे। एक दौर था, जब हमारे पास कई सारी तस्वीरें होना बहुत बड़ी खुशी देने वाली बात होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब शायद ही कोई व्यक्ति हो, जिसके मोबाइल में अपनी और अपनों की बेशुमार तस्वीरें न हों। लेकिन शायद ही उन तस्वीरों से कोई भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता हो, जैसे पहले होता था। तस्वीरों को लेकर स्मृतियों का गायब होना या तस्वीरों को लेकर हमारे दिलोदिमाग में कोई खास पल, कोई खास मौका याद न आना, इस बात का सबूत है कि अब तस्वीरें हमारे जेहन में अपनी वैसी जगह नहीं बनातीं, जैसे पहले बनाया करती थीं।

स्मृतियां बनाती हैं संवेदनशील: स्मृतियां व्यक्ति को एक संवेदनशील नागरिक बनाने में भी महत्ती भूमिका निभाती हैं। बचपन के दिन, गांव की गलियां, मां के साथ जुड़ी अनगिनत स्मृतियां, दादा-दादी की कहानियां, शिक्षकों की सीखें और ऐतिहासिक घटनाओं के एहसास से बनी स्मृतियां वाकई यही सब चीजें होती हैं, जो हमें एक बेहद संवेदनशील मनुष्य बनाती हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी स्मृतियों से कट जाता है, तो वह अपने मूल से अपने जीवन के सबसे गहन हिस्से से कट जाता है। इसलिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें अपनी जड़ों से और अपने मूल से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

स्मृतियों की सांस्कृतिक महत्ता: जब हम अपनी उपलब्धियों और संघर्षों को याद करते हैं, तब हम केवल इतिहास से नहीं गुजर रहे होते हैं, बल्कि अपने वर्तमान को भी मजबूत बना रहे होते हैं। हमारे अपने देश भारत में तो स्मृतियों का और भी गहरा महत्व है, क्योंकि हमारी समृद्ध विरासत लिखित होने से ज्यादा मौखिक है। लोककथाएं, लोकगीत, रामायण, महाभारत की कथाएं, गांवों और खेड़ों की दास्तानें, हमारे यहां पीढ़ी दर पीढ़ी ये स्मृतियां अगली पीढ़ियों को मिलती रहती हैं। यही कारण है कि भारतीय समाज में स्मरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व तक दिया गया है।

प्रदान करती हैं भावनात्मक शक्ति: आज के समय में स्मृतियों का एक और महत्व है, क्योंकि आज हम उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखते हैं। सकारात्मक यादें, हर इंसान को भावनात्मक शक्ति देती हैं। परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षण, मित्रों की संगति या किसी प्रेरणादायक घटना की स्मृति, हमारे कठिन समय का सहारा होती है, क्योंकि उसमें सामाजिक जुड़ाव और भावनात्मक संतुलन की मजबूती होती है। हालांकि हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि स्मृतियों का संबंध केवल सुखद अनुभव और यादों से ही नहीं होता है। इतिहास की त्रासदियां भी इंसान के सामूहिक स्मृति का हिस्सा होती हैं। युद्ध, महामारी, विभाजन या प्राकृतिक आपदाएं, मनुष्य को न केवल गहरे तक झकझोरती हैं बल्कि लंबे समय के लिए एक टीस हो जाती हैं। फिर इन्हें याद रखना इसलिए जरूरी होता है ताकि हम भविष्य में ऐसी गलतियों को न दोहराएं।

इसलिए जरूरी है अपनी स्मृतियों से जुड़ाव: अपनी स्मृतियों से जुड़ाव बनाए रखना इस दृष्टि से नई पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रभावी है, क्योंकि बच्चों और युवाओं में अपने परिवार और समाज के प्रति जो संवेदनशीलता और सामाजिक जुड़ाव का भाव आता है, वह इन स्मृतियों का ही नतीजा होता है। दादा-दादी की जीवन यात्राएं, पुराने संघर्षों की कहानियां और पारिवारिक परंपराएं, युवा पीढ़ी को जीवन के गहरे अर्थ समझाने में मदद करती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें यह भी सिखाता है कि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाना भी बहुत जरूरी है। तकनीक का इस्तेमाल स्मृतियों को सहेजने के लिए तो किया जा सकता है, लेकिन अगर इसी तकनीक की चकाचौंध के गुलाम बने रहे, तो स्मृतियों को बनने का मौका नहीं मिलता।

तकनीक का हो संतुलित इस्तेमाल: आज की युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह अपने दिन का बहुत बड़ा समय, अपने मोबाइल फोन के साथ अकेले में गुजारते हैं। स्मृतियों पर यह बहुत बड़ा हमला है। जब हम अपने दिन का ज्यादातर खाली समय मोबाइल फोन को दे देंगे, तो भला हमारी याद रह जाने वाली स्मृतियां कब बनेंगी, किससे बनेंगी? इसलिए स्मृतियों के संबंध में तकनीक का अंधाधुंध इस्तेमाल थोड़ा फायदा लेकिन बहुत ज्यादा नुकसान भी देता है। क्योंकि भावनाओं का स्थान कभी तकनीक नहीं ले सकती। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि तकनीक हमारे जीवन में इतनी अधिक हावी न हो जाए कि जो हमसे हमारी स्मृतियों को ही दूर करने लगे। k

---

दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे

दिन बरसाता आग

सूरज आतिश बन गया, तपे नगर सब गांव।
जीवों में अकुलाहटें, ढूंढ़ रहे सब छांव।।
लू चलती है गति लिए, बिलख रहा इंसान।
सब नदियों से छिन गई, अब बस सारी आन।।
चाबुक सड़कों पर चले, आतंकित हर एक।
दिनकर के तो आजकल, नहीं इरादे नेक।।
कूलर, पंखे हंस रहे, शीतलता का मान।
मटके ने इस पल 'शरद', पाया नवल विहान।।
किरणें ना किरणें लगें, बरस रही है आग।
बचना तुम चाहो अगर, तो लो बचकर भाग।।
कंबल अब बेकार हैं, बिरथा ऊनी वस्त्र।
किरणें हमले कर रहीं, बनकर नित ही शस्त्र।।
नीर सरीखा बह रहा, तन से बेहद स्वेद।
इस मौसम में हो रहा, हर इक जन को खेद।।
बिजली लगती है सुखद, जिससे झरती शीत।
हम तुम, सब ही कष्ट में, सुन लो मेरे मीत।।
सुबह हमें लगती भली, दिन बरसाता आग।
फिर जी-भर फुंफकारता, आतप का तो नाग।।
नीर गिरे आकाश से, देखे मानव राह।
पर अब इस पल जग रही, हर दिल से ही आह।।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सामाजिक बदलाव की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार कैलाश बनवासी का आठवां कथा संग्रह 'हवा बहुत तेज है' हाल में प्रकाशित होकर आया है। इसमें संकलित ग्यारह कहानियों में मध्य वर्गीय जीवनशैली के विभिन्न स्तरों में हाल के वर्षों में हुए बाहरी ही नहीं आंतरिक बदलावों की भी सूक्ष्म पड़ताल की गई है। शीर्षक कहानी 'हवा बहुत तेज है' के मुख्य पात्र जगन्नाथ बाबू अपने आस-पास के बदलावों, सामाजिक बहुरूपिएपन, नई पीढ़ी की सोच के बीच विस्मित नजर आते हैं तो अभूतपूर्व छल के समय में सामान्य सी ईमानदारी भी कितनी असामान्य लगती है, इसे 'एक पुराना आदमी' कहानी में प्रकट किया गया है। बाजारवाद के प्रभाव को 'दाग अच्छे हैं' कहानी में व्यक्त किया गया है। संग्रह की सभी कहानियां ठहरकर विचार करने को बाध्य करती हैं। k

पुस्तक: हवा बहुत तेज है (कहानी संग्रह), **लेखक:** कैलाश बनवासी, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

व्यंग्य / डॉ. मुकेश असीमित

सड़क का दर्शनशास्त्र

सड़क का भी एक दर्शन होता है, खासकर उस सड़क का, जो खुद सड़कछाप हो। वह सड़क जो कहीं टिककर नहीं रहती, हर मोहल्ले, हर मोड़, हर चुनावी वादे में आवारगी करती मिल जाती है। आजकल ऐसी सड़कें खूब चलन में हैं। चलन में इसलिए कि चलने लायक कम और दिखने लायक ज्यादा होती हैं।

सड़क साम्यवाद का जीवंत, धूल-धूसरित उदाहरण है। यहां गधे और घोड़े एक ही ताल में चलते हैं। कभी-कभी तो पहचान ही गड़बड़ा जाती है कि कौन-सा किस श्रेणी में है। पशु, पक्षी, मानव सबको सड़क समान भाव से अपनाती है। सड़क सबकी मां है। अब अगर मां की गोद में बैठकर कोई पूछे कि गधे-घोड़े का फर्क क्यों नहीं दिख रहा, तो इसमें मां का क्या दोष! सड़क तो बस बनी है आओ, चलो, दौड़ो, गिरो, रौंदो, जो लिखा लाए हो, वही होगा। आप सड़क पर हैं या सड़क पर लाए गए हैं, यह नियति का मामला है, सड़क का नहीं।

सड़क और संसद का रिश्ता भी बड़ा दार्शनिक है। आदमी कब सड़क से संसद पहुंच जाए और कब संसद से सड़क पर लौट आए, कहा नहीं जा सकता। जनता सड़क के रास्ते ही नेताओं को संसद का पता देती है और उसी रास्ते से वापसी का न्योता भी। इसलिए सड़क है तो संभावनाएं हैं धरने की, हड़ताल की, रैली की, जाम की और कभी-कभी नंगे नाच की भी। सड़क लोकतंत्र की खुली प्रयोगशाला है।

सड़क है तो गड्ढे हैं। गड्ढे हैं तो मरम्मत है। मरम्मत है तो बजट है। बजट है तो फाइलें हैं। फाइलें हैं तो अफसर का चूल्हा जलता है। सड़क सरकार का बहुउद्देशीय औजार है। शौचालय, पेशाबघर और कचरा निस्तारण की कई योजनाओं से बचा लेती है। लोग सड़क पर ही अभ्यास कर लेते हैं, और सड़क 'राइट एट योर डोरस्टेप' कचरा सेवा दे देती है बिना टेंडर, बिना उद्घाटन।

कोरोना के दिनों में जब सड़कें सूनी हुईं, तो उन्हें भी बुरा लगा। पर जल्दी ही फैक्ट्री मालिकों ने मजदूरों को निकाला और सड़कें फिर गुलजार हो गईं। मजदूरों के रेलों ने सड़कों को धन्य कर दिया, मां की गोद फिर भर गई।

सड़कें हैं तो एक्सीडेंट हैं। ट्रैफिक पुलिस का डंडा अभियान निरंतर है। चालान से जेबें भी फुल टॉस फूल रही हैं। सड़कें हैं तो फुटपाथ हैं, और फुटपाथ हैं तो उन पर सोते लोग। वरना नशे में धुत्त रईसों को कुचलने के लिए लोग मिलेंगे कहां? सड़कें ही तो हैं जो रील और सेल्फी प्रेमियों की कर्मभूमि हैं, जहां जोखिम जितना बड़ा, व्यू उतने ज्यादा।

सड़कें हैं तो सड़कछाप गुंडे भी हैं। राजनीति की प्रारंभिक पाठशाला यही है। रेहड़ियों से शुरू हुई हफ्तावसूली आगे चलकर बड़े घोटालों का पाठ्यक्रम बनती है। सड़क कैडर तैयार करती है, छुटभैये से गैंगस्टर तक।

आजकल सड़कों पर ध्यान कम है। ध्यान दें भी तो कैसे, सड़कें बड़ी बेवफा हैं। बनाई नहीं कि उखड़ने को तैयार। इतना भी सब्र नहीं कि एक चुनावी कार्यकाल पूरा हो जाए। मरम्मत का बजट पास होते-होते नेता बदल जाता है और क्रेडिट कोई और ले जाता है। समाधान सरल है हर नेता अपने नाम की सड़क बनवाए। चुनाव हार जाए तो सड़क उठाकर घर ले जाए।

सड़कें मां जैसी ही होती हैं। पान की पीक, कचरा, मल-मूत्र सब समेट लेती हैं, बिना शिकायत। अब प्रश्न उठता है मां तो सड़क है, बाप कौन? जब भी सड़क पर वाहन चालकों के बीच बहस या हाथापाई की नौबत आती है तो पहला सवाल यही पूछा जाता है, 'सड़क तेरे बाप की है क्या?' पर बाप का पता आज तक नहीं चला। मिलते ही इसकी सूचना दी जाएगी।

कभी-कभी सड़कें उधड़ती हैं ताकि शहर को ग्रामीण जीवन की झलक मिल सके कंक्रीट, धूल, मिट्टी, जमीन से जुड़े रहने का प्रशिक्षण। चिकनी सड़क पर खेलेंगे तो बच्चों की इम्युनिटी कैसे बनेगी?

सड़कें पतित-पावनी भी हैं, मोक्षदायिनी भी। प्राचीन योगियों की परंपरा आज सड़कें निभा रही हैं। कहीं दुर्गम, कहीं अदृश्य, कहीं कीचड़, कहीं खाई। हैं भी, नहीं भी-ब्रह्मस्वरूप। फाइलों में हैं, वादों में हैं, पर चलने में अकसर नहीं। न शुरुआत दिखती है, न अंत। कोई पूछे, 'यह सड़क कहां जाती है?' भाग्यशाली हैं वे जिनकी जाती है। यहां तो सालों से देख रहे हैं नजर ही नहीं आती।

सड़कें वही हैं जहां चाहो मोड़ लो, बिना शिकायत। और अगर सरकारी बजट की हों, तो नेता जी उन्हें अपने बंगले तक भी ले जा सकते हैं। सड़कछाप सड़क बस महसूस करने की चीज है। मानने की, जानने की नहीं। k

लघुकथा / डॉ. यशोधरा भटनागर

गूंज

दरवाजा खुलते ही रात का अंधियारा मंगलू के साथ घर में घुस आया था। कच्चे-पक्के घर में चूल्हे के गहरे स्लेटी धुएं में लालटेन की रोशनी अपना प्रकाश फैलाने के लिए जूझ रही थी।

'छुटका.. ऐ छुटका! ऐ कमली..! कितै को मर गए रे सब कै सब?' लड़खड़ाते कदमों से घर में घुसते हुए मंगलू चीखते हुए बोला।

एक तीखी गंध पूरे घर में पसर गई।

आठ बरस का दीपू कमरे की कच्ची दीवार से चिपका सहमा हुआ उसे देख रहा था।

मंगलू ने जेब से आधी भरी बोतल निकाली और जोर से चिल्लाया, 'का देख रया है बे! दौड़ कै एक गिल्लास लाओ हमाए लाने।'

कुछ पल बाद दीपू स्टील का गिलास मंगलू के हाथ में थमाते हुए बोला, 'बापू, आज स्कूल में टीचर ने पूछो हतो कि हम बड़े होकर का बनेंहैं?'

मंगलू ने उसको चपतियाते हुए पूछा, 'तुमने का कहौ फिर?' दीपू थोड़ी देर चुप खड़ा रहा फिर अपनी पूरी हिम्मत बटोर कर बोला, 'बापू हमने कह दओ कि हम बड़े होकर तुमाओ जैसा नहीं बनहैं।'

'टन्न...!'

टन्न की यह जोरों की गूंज, घर की कच्ची दीवारों में समा गई।

दरअसल, मंगलू ने गिलास सामने रखे खाली कनस्तर पर दे मारा था।

मंगलू ने गुस्से से दीपू की ओर देखा, बेटे की आंखें आईने की तरह साफ थीं। इन आंखों में उसे खुद का विकृत चेहरा साफ नजर आ रहा था। k